वर्ष 2 अंक 10
दिसम्बर 2018

राजकीय प्राथमिक पाठशाला अनोगा

नन्हें उस्ताद

मुख्य आकर्षण

- वर्ष भर की गतिविधियों की झलक|
- बच्चों की सुंदर रचनाएँ |
- अतिथि लेख|
- वार्षिक प्रतिवेदन|
- अनोगा स्कूल का एक शैक्षिक नवाचार |
- पाठशाला प्रतिबिम्ब|

दो शब्द

हम आप सभी पाठकों का बहुत बहुत धन्यवाद करते हैं कि आप ने हमारे सभी पिछले अंकों को इतना प्यार दिया| आप सभी हमारे लिए प्रेरणा स्त्रोत हैं क्योंकि आप ने न केवल हमारे इस प्रयास को सराहा है बल्कि समय समय पर आपने अपने सुझाव भी दिए हैं|

आपके सुझावों से हमें बहुत कुछ सीखने को मिलता है|

हमें आशा है कि हमारे पूर्व अंकों की ही तरह आपको हमारा यह अंक भी पसंद आएगा|

इस सनक के प्रकाशन में हमें बहुत मेहनत की है| बहुत से रचनाकारों की रचनाएँ इस अंक में आपको पढ़ने को मिलेंगी|

हम अपने अध्यापकों का भी इस अवसर के लिए धन्यवाद करते हैं|

हमारी यह पत्रिका अगर आपको अच्छी लगे तो हमें जरुर बताना|

राजकीय प्राथमिक पाठशाला अनोगा

विद्यालय प्रबन्धन समिति अध्यक्ष

श्री सदीक मुहम्मद जी

हमारी पाठशाला की बाल पत्रिका का सफल प्रकाशन होने पर मैं पाठशाला के सभी अध्यापकों व बच्चों को बधाई देता हूँ| मुझे आशा है कि आप को यह पत्रिका पसंद आएगी व आप विद्यालय की वर्ष भर की गतिविधियों को भी इस के माध्यम से जान पाएंगे| आप को यह पत्रिका कैसी लगी हमें जरुर बताएं|

शुभकामना संदेश

उप निदेशक प्रारम्भिक शिक्षा जिला चम्बा

श्री फौजा सिंह

यह बहुत ही ख़ुशी का विषय है कि हमारे जिला की एक प्राथमिक पाठशाला अपने स्तर पर ही बहुत से नव विचारों को अंजाम देते हुए शिक्षा के क्षेत्र में एक आदर्श बन कर उभरी है| इस पर मैं अपनी तरफ से राजकीय प्राथमिक पाठशाला अनोगा के अध्यापकों व बच्चों को ढेरों शुभकामनाएँ देता हूँ|पाठशाला की बाल पत्रिका “नन्हें उस्ताद” जिसका दूसरा वार्षिक अंक प्रकाशित होने जा रहा है| उसके लिए भी मैं काफी उत्साहित हूँ अतः इसके सफल प्रकाशन के लिए मैं अपनी शुभकामनाएँ सहर्ष प्रेषित करता हूँ| मुझे आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि यह पत्रिका बच्चों के सम्पूर्ण विकास में अपना बहुमूल्य योगदान देगी| बच्चों में साहित्यिक रुची को विकसित करने में सहायता प्रदान करेगी व उनके व्यक्तित्व विकास में भी इसका अहम योगदान रहेगा|

जिला उप शिक्षा अधिकारी जिला चम्बा

राजकीय प्राथमिक पाठशाला अनोगा की बाल समाचार पत्रिका के दुसरे अंक के प्रकाशन पर मैं अपनी और से ढेरों शुभकामनायें देता हूँ| पाठशाला के अध्यापक इस कार्य के लिए विशेष रूप से बधाई के पात्र हैं| बच्चों के मेहनत एवं अविभावकों के सहयोग से ही इस तरफ के कार्य सफल हो पाते हैं|

इस पत्रिका के सफल प्रकाशन हेतु एक बार पुनः मेरी और से हार्दिक शुभकामनाएँ

श्री हितेंदर कुमार

जिला परियोजना अधिकारी व प्रधानाचार्य डाइट चम्बा

पिछले वर्ष मुझे स्वयं राजकीय प्राथमिक पाठशाला अनोगा में जाकर पाठशाला के अध्यापकों व बच्चों से मिलने का सुअवसर मिला| बच्चों का पारितोषिक वितरण समारोह बेहद आकर्षक एवं सुंदर था| तब ‘नन्हें उस्ताद’ पत्रिका के पहले अंक का विमोचन हुआ था| जो कि एक सराहनीय पहल थी| अब इसका दूसरा अंक भी प्रकशित होने जा रहा है तो यह मेरे लिए बहुत प्रसन्नता की बात है|मुझे विश्वास है यह अंक पहले अंक से भी बढ़कर होगा व साथ ही इसके और भी कई अंक हमें आने वाले सालों में निरंतर पढने को मिलते रहंगे| बच्चों की रचनाएँ काबिले तारीफ होती हैं|मैं इस अंक के प्रकाशन हेतु अपनी शुभकामनायें देता हूँ|

श्री सुमन कुमार मिन्हास

अध्यापक प्रशिक्षण एवं महिला विकास प्रभारी
समग्र शिक्षा, हिमाचल प्रदेश

डॉ. मंजुला शर्मा

मुझे ये जानकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि राजकीय प्राथमिक पाठशाला अनोगा द्वारा एक पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है|विद्यालय स्तरीय पत्रिकाओं का प्रकाशन शैक्षणिक प्रक्रिया का अपरिहार्य अंग है| स्कूल पत्रिका वास्तव में स्कूल की शैक्षणिक, सांस्कृतिक, खेल गतिविधियों एवं उपलब्धियों के संकलन तथा इन्हें सबके सन्मुख प्रस्तुत करने का एक सशक्त माध्यम है| इस प्रकार की गतिविधियों से बच्चों को अभिव्यक्ति का अवसर मिलता है तथा उनके अंदर छुपी क्षमताओं का विकास होता है| ऐसे प्रयासों से बच्चों की लेखन प्रतिभा को भी निखारने का अवसर मिलता है| जो कि उनके सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है| मुझे आशा है कि पत्रिका में विद्यार्थियों के उपयोग की मार्गदर्शक सामग्री का प्रकाशन सुनिश्चित किया जायेगा तथा बच्चों को प्रेरणादायक लेख पढ़ने को मिलेंगे| विद्यालय के अध्यापकों को पत्रिका के प्रकाशन के लिए बधाई|पत्रिका के सफल प्रकाशन तथा विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य के लिए मेरी शुभकामनाएँ |

प्रधानाचार्य राजकीय महाविद्यालय पांगी

मेरे जीवन के आदर्श

एक प्राथमिक विद्यालय वो भी जिला मुख्यालय से इतनी दूरी पर स्थित और इस प्रकार के नवाचार वास्तव में अत्यंत सराहनीय है|
इतने छोटे छोटे बच्चों को साहित्य के क्षेत्र में रुची लेने के लिए प्रेरित करना एवं उनकी रचनाओं को संकलित करके एक पत्रिका का प्रकाशन करना एक बेहतरीन कार्य है|
बच्चों को इससे बहुत कुछ सीखने को मिलेगा व उनके द्वारा सिखा हु जीवन पर्यन्त उनके लिए उपयोगी सिद्ध होगा|
मैं पत्रिका के प्रकाशन के लिए अपनी शुभकामनायें देता हूँ|

डॉ. विपिन राठौर

नवोदय क्रांति परिवार भारत

गुरु जी संदीप ढिल्लों
संस्थापक नवोदय क्रांति

'नन्हें उस्ताद' समस्त सरकारी शिक्षा जगत के लिए एक अनुकरणीय व आदर्श पहल है। ग्रामीण आंचल के 'नन्हें मुनों के सपनों को नई उड़ान देने के प्रशंसनीय कार्य के लिए श्री युद्धवीर जी कनिष्ठ अध्यापक राजकीय प्राथमिक पाठशाला अनोगा हिमाचल प्रदेश, विशेष रूप से बधाई के पात्र हैं। यह समाज को स्कुलों के साथ जोड़ने में अहम कड़ी साबित होगी। आपके विद्यालय की उपलब्धियों को जानकर सरकारी शिक्षा के क्षेत्र में किये गये आपके अभूतपूर्व प्रयास दिल को छू गये। इस पत्रिका में मुझे सबसे आकर्षित करने वाला पहलू वार्षिक गतिविधियों की सम्भावित दिनदर्शिका वाला लगा। युद्धवीर जी के मार्गदर्शन में जल्दी ही यह पूरे देश के सरकारी स्कूलों में लागु करवाने के लिए प्रयास करेंगे। इस संदेश के माध्यम से हमें यह बताते हुए गर्व महसूस हो रहा कि श्री युद्धवीर जी नवोदय क्रांति परिवार भारत के नैशनल मोटिवेटर हैं और राष्ट्रीय पत्रिका के लिए भी इनका अहम मार्गदर्शन रहेगा। देश के सभी सरकारी शिक्षक 'नन्हें उस्ताद' से प्रेरणा लेकर अपने बच्चों को उड़ान दे सकते हैं। मैं नवोदय क्रांति परिवार की और से राजकीय प्राथमिक पाठशाला अनोगा हिमाचल प्रदेश के सभी बच्चों को हार्दिक बधाई व शुभकामनायें प्रेषित करता हूँ।

खंड स्त्रोत समन्वयक सुंडला

श्री राम सिंह जी

'नन्हें उस्ताद' हमारे शिक्षा अनोगा स्कूल की बाल पत्रिका खण्ड के लिए एक गर्व की बात है। मैं इस पत्रिका के दुसरे वार्षिक अंक के सफल प्रकाशन पर अपनी तरफ से अनोगा स्कूल के अध्यापकों व बच्चों को बधाई देता हूँ। इसके साथ ही यह आशा भी करता हूँ कि भविष्य में भी अनोगा स्कूल की इस पत्रिका का प्रकाशन अनवरत रूप से जारी रहेगा।

"टीम अनोगा सभी शुभकामना संदेशों के लिए आप सभी का हृदय से आभार व्यक्त करती है।"

खंड स्त्रोत समन्वयक सलूणी

श्री नारायण सिंह जी

शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े होने के चलते बच्चों के सर्वांगीण विकास को लेकर कोई भी नवाचार जब किसी विद्यालय में किया जाता है तो व सदैव ही प्रशंसा के काबिल होता है। ऐसा ही एक प्रयास राजकीय प्राथमिक पाठशाला अनोगा के द्वारा बाल पत्रिका 'नन्हें उस्ताद' के प्रकाशन के रूप में पिछले दो वर्षों से किया जा रहा है। मैं इस प्रयास की सराहना करता हूँ चूँकि बच्चों के लिए इसका महत्त्व अपार है। इस बाल्यकाल में लेखन के कौशलों का विकास व अभिव्यक्ति के शक्ति का विकास अगर किसी नवाचार से हो रहा है तो उस नवाचार की प्रशंसा व सराहना करने से इस तरह के प्रयासों को और भी बल मिलेगा। पूरी की पूरी टीम अनोगा को मेरी तरफ से ढेरों शुभकामनायें।

बच्चा हूँ।
थोड़ा
कच्चा हूँ
थोड़ा
पक्का हूँ
क्योंकि मैं बच्चा हूँ।
थोड़ा हक्का हूँ
थोड़ा बक्का हूँ
क्योंकि मैं बच्चा हूँ।
थोड़ा मक्का हूँ
थोडा अच्छा हूँ
क्योंकि मैं बच्चा हूँ।
थोड़ा नादान हूँ
थोड़ा शैतान हूँ
क्योंकि मैं बच्चा हूँ।
थोड़ा कच्चा हूँ
थोड़ा पक्का हूँ
क्योंकि मैं बच्चा हूँ।

केहर सिंह रजौरिया "करण"

सुशिक्षा गीत

विजयी भरत दीक्षित
सुजानपुर टीहरा (हि.प्र.)

अच्छी राह पर सदा चलें
हम, ओरों को चलना
सिखाएं।
स्वयंसेवी यदि बन गये हैं
तो,
राष्ट्र सेवा हम कर के
दिखाएँ।।

प्राथमिकता नहीं दें स्वार्थ
को,
निस्वार्थ भाव का अलख
जगाएं।
रंग रूप जाति धर्म भेद
त्याग,
एकता का ही संदेश
फैलाएं।।

निर्बल वर्ग की सदा सेवा
कर,
पुण्य कमाएं हम अच्छे
कहाएं।
लें,दें बा शिक्षार्थी शिक्षा,
ज्ञान प्रकाश चहुँ और
फैलाएं।।

भाव दबे छुपे अंदर जो
भी,
प्रकट करें कुछ कर के
दिखाएं।
समझें निज क्षमताओं
को जानें,
सदा सुकर्म ही कर के
दिखाएं।।

हो शिक्षा से विकास
सर्वांगीण,
समाज को स्वच्छ
समृद्ध बनाएं।
मानवता को प्राथमिकता
दें,
'भरत' मनुज हम बन के
दिखाएं।।

अध्यापक स्तम्भ

श्री पवन कुमार जी
जे.बी.टी. GPS सिंगा

श्री पवन कुमार जी राजकीय प्राथमिक पाठशाला सिंगा शिक्षा खण्ड सुंडला जिला चम्बा हिमाचल प्रदेश में पिछले पांच वर्षों से कार्यरत हैं। जब इन्होने पहली बार अपने पिता जी के साथ पाठशाला में पहली बार कदम रखा तो पाया कि कैसे पाठशाला का साधारण सा भवन और न्यूनतम आधारभूत सुविधाओं के साथ पाठशाला चली हुई थी। पाठशाला के पहले दिन उनके पास अध्यापक दो थे तो कुर्सियां एक। ऐसे में उनके पास चुनौती थी आधारभूत संरचना को विकसित करने के साथ साथ बच्चों को गुणात्मक शिक्षा देने की। अध्यापक की दृढ इच्छा शक्ति एवं कभी हार न मानने वाले रवैये ने सफलता के लिए रास्ते बनाना शुरू कर दिए। पहले इन्होने अविभावकों को ही अपनी कार्य का केंद्र बनाया उन्हें जागरूक किया। उनको शिक्षा की महत्ता समझाई। उनके सुख में दुःख में उनके साथ खड़े रह कर उनका विश्वास जीता। यहाँ तक की कई दफा अपनी जेब से पाठशाला की जरूरतों को पूरा करने के लिए खर्च किया। आज पाठशाला में हर बुनियादी सामान है जिसका श्रेय जागरूक अविभावकों व कर्मठ अध्यापक को जाता है।यही है शिक्षा की बदलती तस्वीर। जय हिन्द...

मेरे शिल्पा मैम

रीना देवी B.A. प्रथम

आज करती हूँ
बयाँ मैं अपने
दिल की बात
कितने
खुशनसीब हैं हम
जो मिला हमें
शिल्पा मैम का
साथ,

इनके साथ को पाकर हमें
फीकी लग रही है पूरी कायनात||
मुझे नहीं मालूम क्या खास है
फिर भी उनसे जुडी हमारी हर एक आस है
जब आये थे कक्षा में पहली बार
समझ गयी थी होंगे सपने हमारे साकार||
कोयल सी मीठी है इनकी बोली
प्यार व ममता की पहने हुए हैं चोली ||
चाँद से चेहरे पर लट है जुल्फों की कली
आँखें हैं जैसे भरी अमृत की प्याली ||
जितनी भी तारीफ करूं कम है
इनकी बातों से हर पल आंखे मेरी नम हैं||
इनकी हर एक बात दिल को छू जाती है ,
ये हर बात को बड़ी नम्रता से समझती हैं ||
सच कहती हूँ मैम,
झूठ कहने की आदत नहीं हैं मुझे
दुनिया की तमाम सादगी व मासूमियत,
आपके अंदर दिखती है मुझे |
फन्हा कर दूंगी जिन्दगी आपके कदमों में
क्योंकि आपमें जिन्दगी मिलती है मुझे||
आपने किया है बुलंद होंसलों को मेरे
आपने पहचाना हैदिल के अरमानों को मेरे||
आभारी हूँ मैं आपकी सात जन्मों तक
आपका कर्ज नहीं चुका पाऊँगी
भूल जाऊं मैं तमाम दुनिया को मगर
सच कहती हूँ आपको नहीं भुला पाउंगी ||
आपने ही आंसू पोंछ कर हंसाया है मुझे,
मेरी गलती पर भी सीने से लगाया है मुझे
वास्ता है आपको नजर फेर लेना न कभी
शायद खुदा ने आपका प्यार पाने के लिए ही
बनाया है मुझे||
अगर आप अपने कदम काँटों पे भी रखेंगी
तो वो फूल बन जाएँगे
मुझे लगता है आपकी आवाज को सुनकर
कोयल और पपीहा भी धन्य हो जायेंगे
मिलेगी आपकी ममता जिसको
तीनों लोकों का स्नेह वो पा जायेंगे||

आओ बच्चों लो कुछ ज्ञान

आओ बच्चों लो
कुछ ज्ञान
सुन लो ये जरूरी
ज्ञान
बिना हाथ धोये ना
कभी
करो ना कोई खान पान
साफ सुथरा रखो ये शरीर
साफ सफाई का करो ध्यान
तन मन रहते सदा चंचल
रोज सुभ सब करो स्नान
कहना मानो सदा बड़ों का
करके नमन करो सम्मान
लेकर आशीष सदा बड़ों
स्वयं को बनाओ महान
करो सबसे प्रेम प्रीत
बनो सदा ही चरित्रवान
कर जाओ कुछ ऐसा यहाँ
बढ़ाओ माता पिता का मान|

उत्तम सुर्यावंशी
गावं तलाई किलोड सलूनी चम्बा

'नन्हें उस्ताद अपने अतिथि लेखकों का उनकी बहुमूल्य रचनाओं के लिए तहे दिल से आभार प्रकट करता है|

नारी

अब तो तुझे बोलना होगा
चुप रहकर क्या पाया तुमने
मौन नहीं अब धरना होगा
आवाज़ को अपनी बुलंद करके
अब तो तुझे बोलना होगा

दकियानूसी की भी हद है
हद को बेहद पार किया है
यही सच है या फरेब है
तर्क तुला पर तौलना होगा
हर दास्तां का इतिहास गवाह है
अश्क़ भी तुम रश्क़ भी तुम
जुल्मत बेबसी को अविचलित सहा
अब तो तुझे डोलना होगा

सड़ने लगीं सब ओर ये लाशें
घुटन, पीड़ा और तानों की
लीक-सीख की खिड़कियों को
अब तो तुझे खोलना होगा

मुझको यकीं है तुम पर शक्ति
दुनिया को हिलाकर रख सकती हो
सुप्त ज़मीर के वजूद को
अब तो तुझे टटोलना होगा

तेरे कलाम में होगी वो तासीर
लहजा लफ़्ज़ों में रख 'ज़िन्दगी'
शब्द रस को घोलना होगा

पंकज कुमार ठाकुर
'ज़िन्दगी'

पेड़

जंगलों में हैं उगते पेड़
काट दिए तो बन जायेगा सब ढेर
देते हैं वे हमें वर्षा जल व लकड़ी
वर्षा से होती अच्छी फसल व ककड़ी
पेड़ों से बनती सुंदर हमारी प्यारी धरती
जब इस पर उगती बहुत सी वनस्पति
पेड़ हमें देते हैं शीतल छायाँ
बनती जिससे निरोग हमारी कांया
वे देते हमें हवा व रोजगार
स्वच्छ हवा से इनकी नहीं होता कोई बीमार
पेड़ों में तो बसती हैं हमारी जान
तो करें सब पेड़ों का मान
रखा नहीं जिसने पेड़ों का मान
मिट जायेगा उसका दुनिया से नमो निशान

नितिन राणा कक्षा पंचम

अनोगा स्कुल के नन्हें उस्तादों की रचनाएँ

माँ

माँ ने मुझे जन्म है दिया
पाला पोसा बड़ा है किया
चलना रुकना कभी न झुकना
हँसना रोना उदास न होना
यह सब माँ ने सिखाया है
प्यास लगी तो पानी भूख लगी तो खिलाया है
माँ मुझे बहुत करते हैं प्यार
क्योंकि मैं हूँ उनकी बेटी समझदार
उन से मुझे पड़ती नहीं है मार
क्योंकि मैं हूँ उनकी बेटी होशियार

श्रुति राणा
कक्षा द्वितीय

घमण्डी का सर नीचा

नितिन राणा
कक्षा पंचम

पुराने समय की बात है एक घना जंगल था| वहाँ बहुत से जीव रहते थे| उनमें से एक शेर और चार जंगली भैंसे थे| उस शेर में तीन भैंसों जितनी ही शक्ति थी| जो बात शेर को भी पता थी| वो चार भैंसे एक साथ रहती थीं| शेर अक्सर हिरणों व जिराफों का शिकार करके ही संतुष्ट रहता था| लेकिन एक दिन उसे अपनी ताकत पर घमंड आ गया| उसने सोचा क्यों न आज भैंसों का शिकार किया जाये| इस पर उसके मित्र गीदड़ ने उसे सलाह दी की वह रात को अचानक उन पर हमला करे, लेकिन शेर को तो घमंड आ गया था, उसने कहा नहीं मैं तो दिन में ही शिकार करूंगा| मुझे भी तो अपनी ताकत का पता चले| उसने वैसा ही किया वह कुछ देर तक लड़ा लेकिन फिर अंत में उन भैंसों ने उसे हरा कर वहाँ से खदेड़ दिया| अपनी हार के बाद अपनी बुद्धी पर शेर को शर्म आयी|

हीनू के पापा आयेंगे

हीनू के पापा आयेंगे
स्कूल में पहुंचाएंगे
फिर टीचर उसे पढ़ाएंगे
मिड दे मील खिलाएंगे
चार बजे बजे
फिर पापा आएंगे
गाड़ी लेकर आएंगे
गाड़ी का हॉर्न बजायेंगे
गाड़ी में बिठाएंगे
तेलका पहुंच जायेंगे
वहाँ बाजी खिलाएंगे
हीनू को फिर घर ले जाएंगे
शाम को उसे पढ़ाएंगे
शाम को उसके ममी उसे खाना खिलाएंगे
फिर उसके चाचा आयेंगे
रस मलाई खिलाएंगे
उसकी चाची आयेंगे
फल फ्रूट खिलाएंगे
उसके दादू घर आयेंगे
हीनू को नचाएंगे
पापा उसे पढ़ाएंगे

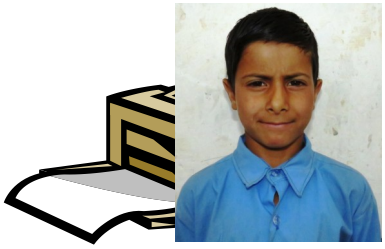

मनीष मुमार कक्षा चतुर्थ

चुटकुले

एक बार दो पागल आपस में बातें कर रहे थे|

पहला पागल बोला: मैं पुरी दुनिया को मिटा दूंगा|

तभी दूसरा पागल बोला: मैं तुन्हें रबड़ ही नहीं दूंगा तो तुम मिटाओगे कैसे?

जज: तू तीसरी बार अदालत आया है तुझे शर्म नहीं आती है|

मुजरिम: अरे आप तो रोज आते हैं आपको तो शर्म से डूब मरना चाहिए|

संकलित सामग्री बच्चों द्वारा अलग अलग स्त्रोतों से संकलित की गयी है|

पहेलियाँ

1. दो अक्षर का मेरा नाम हर दम रहता मुझे जुकाम| कागज है मेरा रुमाल| बताओ क्या है मेरा नाम|
2. वह क्या है जिसकी चार अंगुली और अंगूठा है| पर जिस्म और जान नहीं है|
3. बिन बुलाये डाक्टर आता है| इंजेक्शन लगा कर चला जाता है|
4. बन रहता हूँ खुलता भी हूँ| पहरेदार हूँ ऐसे बताओ खुलता कैसे|
5. बिना पर के भागता है फिर कभी लौट के नहीं आता वह क्या है|
6. वह जिसकी एक आँख है|पर वह देख नहीं सकती|

बबलू शेख कक्षा पंचम

उत्तरमाला
1 पेन
2 ग्लब्स
3 मच्छर
4 ताला चाबी
5 समय

गरीब का दर्द

नसमा जरा हायत खान

क्या होता है
गरीब का दर्द
क्या जाने
अमीर इसका
मर्ज
इन त्योहारों
पर सभी खुश होंगे
पर गरीब के हाथ रोटियों के
लिए जुड़े होंगे
एक गरीब किस कदर अपने
बच्चे का पेट भरने के लिए
गली गली भटकता फिरता है|
और उसकी पत्नी घर में यह
आस लगाये बैठती है
कि कब उसका पति घर वापिस
आएगा
और कुछ खाने को लायेगा
ताकि वो अपने बच्चे का पेट
भर सके
लेकिन छोटा बच्चा जो त्यौहार
तो छोड़िये
एक रोटी खाने के लिए तड़पता
है
वो खूख की तडफ में कूड़ेदान
में पड़ी रोटी को खा रहा होता
है|
क्या गुजरती हैउस माँ पर जब
वो पाने बेटे को उस रोटी को
खाते हुए देखती है|
क्या गुजरती है उस बाप पर
जो पुरे दिन भर काम की
तलाश में खाली घर लौट
आये|
क्या गुजरती है उन दादा दादी
पर जब वो अपने पोते को इस
तरफ देखते हैं|
त्यौहार तो छोड़िये लेकिन घर
में छोटा बच्चा खाने के लिए
बीमार पड़ जाये और
अस्पताल न पहुंच सके और
मर जाये|
क्या होता है उन माँ बाप का
हशर
सोचते हैं इस गरीबी से अच्छा
होता कि हम पैदा ही न हुए
होते
अगर जन्म लिया होता तो
उसी वक्त मर गये होते|
क्यों एक गरीब इतना जहर
मन में भरता है
क्यों कोई उसका दर्द नहीं
समझता है
जब मांगता हैवो किसी से
सहायता तो
क्यों कोई उसकी मदद नहीं
करता है|
यारों मेरी रब से दुआ है
कि इस दुनिया कोई इतना
गरीब न हो
अगर हो तो ऐ खुदा उसको
इतना काबिल बना दो
कि वो अपने परिवार और
उन छोटे बच्चों को पाल
सके
जाने कोई क्यों नहीं
समझता गरीब का दर्द
अगर कोई अमीर है तो
क्यों नहीं करता उसका
मर्ज|

उपविजेता खण्ड स्तरीय समूह गान प्रतियोगिता

बाल संसद चुनाव के दौरान गुप्त मतदान करते हुए

स्वच्छता किट के साथ बच्चे

स्वच्छता शपथ के दौरान

बैग फ्री डे के दौरान

खजियार में टीम अनोगा

पेड़ों को राखी बांधते हुए बच्चे व अध्यापक

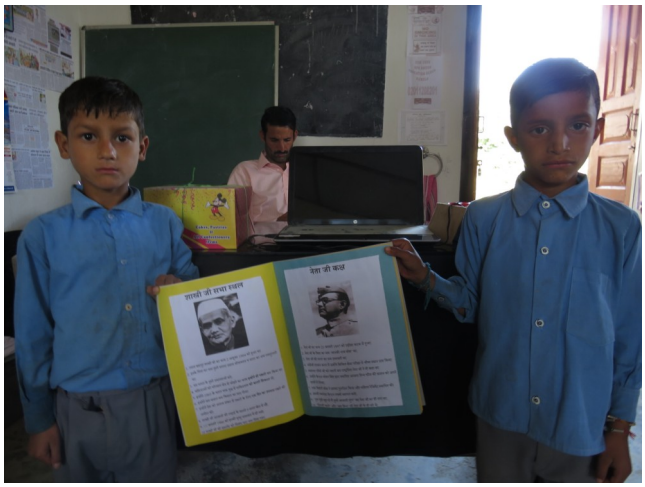

गाँधी जयंती के दौरान बच्चे स्क्रैप बुक दिखाते हुए

बच्चे बैंक में शाखा प्रबन्धक के साथ

योग दिवस पर प्रश्नोत्तरी के दौरान

बच्चे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सालवां में

वन्य प्राणी सप्ताह के समापन पर

वार्षिक प्रतिवेदन

भूमिका: राजकीय प्राथमिक पाठशाला अनोगा हिमाचल प्रदेश के चम्बा जिला के सुंडला शिक्षा खण्ड में सालवां कलस्टर के अंतर्गत एक छोटी सी पाठशाला है| जिला मुख्यालय से लगभग 70 किलो मीटर की दूरी पर स्थित यह पाठशाला ग्राम पंचायत बाड़का के द्रोगी और थंगार नामक गाँव के मध्य में स्थित है| इस पाठशाला की स्थापना सन 1998 में हुई थी| तब से लेकर आज दिन तक इसने निरंतर समुदाय की शिक्षा के स्तर में विकास हेतु अपना सक्रिय एवं बहुमूल्य योगदान दिया है| आज दिन तक लगभग 160 बच्चे हमारी पाठशाला से शिक्षा ग्रहण कर चुके हैं तथा उनमें से बहुत से आज समाज व देश के विकास में अपनी भूमिका निभा रहे हैं|

वर्तमान स्थिति: वर्तमान में पाठशाला के पास अपना एक सुदंर भवन है जिसमें तीन कमरे, दो शोचालय, एक रसोईघर व खेल का मैदान उपलब्ध है| पाठशाला में अध्यापकों के दो पद स्वीकृत हैं जिनमें से दोनों ही पदों पर अध्यापक मौजूद हैं| इसके अतिरिक्त पाठशाला में एक कुक भी है जो मध्याह्न भोजन बनाने का कार्य करती है|

बच्चों की संख्या: वर्तमान में पाठशाला में कुल 20 बच्चे शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं जिसमें पूर्व प्राथमिक स्तर का 1 बच्चा, प्रथम कक्षा में 2 बच्चे, द्वितीय कक्षा में 5 बच्चे, तृतीय कक्षा में 4 बच्चे, चतुर्थ कक्षा में 4 बच्चे, व पंचम कक्षा में 4 बच्चे है| पाठशाला में शिक्षा ग्रहण कर रहे बच्चों में लडकों की संख्या 12 व लडकीयों की संख्या 8 है| हम बच्चों की संख्या में वृद्धि के लिए निरंतर प्रयत्नशील हैं और आशावादी हैं की हमें इसके सकारात्मक परिणाम जल्द से जल्द दिखाई देंगे|

नवाचार:

1 पाठशाला में बाल संसद का गठन एवं सफल संचालन किया जा रहा है| बच्चों की संसद अपना कार्य सुचारू रूप से कर रही है और पाठशाला के सुगम संचालन में अपना पूर्ण योगदान दे रही है|

2 स्वच्छता निरीक्षण कमेटी का भी गठन किया गया है जो की पाठशाला में स्वच्छता के कार्यो के लिए पुर्णतः उतरदायी है पूरे विद्यालय में सफाई को लेकर इस कमेटी का विशेष योगदान है|

3 हिन्दी मासिक बाल समाचार पत्रिका 'नन्हें उस्ताद' के एक वार्षिक एवं आठ मासिक अंकों का सफल प्रकाशन किया जा चुका है| इस

पत्रिका में बच्चों की रचनाएँ, पाठशाला के समाचार व अन्य महत्त्वपूर्ण विषय वस्तु का समावेश रहता है|

4 पाठशाला में बच्चों के लिए एक ईमानदारी की दुकान खोली गयी है जिसमें बच्चे अपनी जरूरत की व पसंद की चीजें प्राप्त करते हैं| इसमें कोई दूकानदार नहीं रहता बल्कि बच्चे स्वयं ही जरूरत अनुसार समान लेकर उसके मूल्य के बराबर के रूपये पेटी में डाल देते हैं|

5 बच्चों में बचत की आदत को विकसित करने के लिए बाल बचत बैंक की स्थापना की गई है जिसमें बच्चे बाल सभा के दिन अपने पैसे जमा करवाते हैं और जरूरत पड़ने पर उन्हें निकलवा भी लेते हैं|

6 पाठशाला में ही बच्चों के नाख़ून काटे जाते हैं व साथ ही उन्हें मध्याहन भोजन के पश्चात दांतों की सफाई हेतु ब्रश करवाया जाता है|

7 प्रत्येक बच्चे को फोटो युक्त पहचान पत्र पाठशाला द्वारा उपलब्ध करवाए गये हैं|

8 साफ बनकर आओ इनाम पाओ करके एक नवाचार भी पाठशला में शुरू किया गया है ताकि बच्चे स्वच्छता हेतु प्रेरित हों|

9 वीरवार के दिन विश्रांति के पश्चात का समय पुस्तकालय अध्ययन के लिए निर्धारित है ताकि बच्चों की अध्ययन में रूचि उत्पन हो|

10 योग शिक्षा पर भी पाठशाला में विशेष ध्यान दिया गया है और इसके लिए भी एक विशेष कालांश निर्धारित किया गया है|

11 श्रव्य द्रश्य साधनों एवं स्मार्ट क्लास तकनीक के माध्यम से शिक्षा पर बल|

विकासात्मक कार्य:

1 पाठशाला का भवन जो कि वन भूमि पर बनाया गया था उसे पाठशाला के नाम करवाया गया|

2 पाठशाला में बच्चों के बैठने के लिए बेंच, एक ग्रीन बोर्ड, दो ड्रम, एक डाइस, व अन्य जरूरत की चीजें केन्द्रीय प्राथमिक पाठशाला सालवां से ली हैं व कुछ बाजार से खरीदी है|

3 TLM ग्रांट से शिक्षण सहायक सामग्री बच्चों के लिए खरीदी गयी|

4 शौचालय में जल आपूर्ति शुरू कर दी गयी है|

5 रसोई घर में LPG गैस का चूल्हा खरीद कर उसे चालु कर दिया गया है

6 पाठशाला में विद्युत् आपूर्ति शुरू कर दी गई है|

उपलब्धियाँ:

1. विद्यालय ने इस वर्ष होने वाली राष्ट्रीय संसाधन प्रतियोगिता में पूरे भारतवर्ष में शीर्ष तीन में जगह बनाई जिसके लिए राज्य के शिक्षा मंत्री ने विद्यालय को पुरस्कार देकर सम्मानित किया|
2. पाठशाला ने इस वर्ष खास शिक्षा में पुरे प्रदेश भर में पहला स्थान हासिल किया जिसके लिए शिक्षा निदेशक महोदय ने एक प्रशंसा पत्र पाठशाला को भेंट किया|
3. 9 से 11 जनवरी 2018 तक जिला सिरमौर में सम्पन्न हुई एक राज्य स्तरीय कार्यशाला में पाठशाला की गतिविधियों की सभी ने अत्यधिक प्रशंसा की|
4. शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान जिला चम्बा सरू में भी पाठशाला की गतिविधियों पर आधारित प्रस्तुती की सभी ने प्रशंसा की|
5. 2 जून 2017 को राजकीय केन्द्रीय प्राथमिक पाठशाला भूनाड में आयोजित अंतरविद्यालय स्तरीय 23 वीं खेल कूद एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में पाठशाला ने समूह गान में उप विजेता का ख़िताब हासिल किया|
6. पाठशाला की हिन्दी मासिक बाल समाचार पत्रिका नन्हें उस्ताद के 1 वार्षिक एवं 8 मासिक अंकों का सफल प्रकाशन|

Achievers of GPS Anoga

Nitin Rana Class 5th
PM GPS Anoga
1st in Class 5th (FA 2)

Shruti Rana Class 2nd
Sports & Culture Minister
1st in Class 1st (FA 2)

Manish Kumar Class 4th
Deputy PM GPS Anoga
1st in Class 4th (FA 2)

Abdur Rehman Class 4th
Library & Discipline Minister

Kajal Devi Class 5th
MDM Minister GPS Anoga
Editor 'Nanhen Ustad'

Abdul Manan Class 1st
Cleanest Student of GPS Anoga
1st in Class 1st (FA 2)

हमारी ताकत

1. *सुंदर पाठशाला भवन|*
2. *प्रशिक्षित एवं अनुभवी अध्यापक|*
3. *आधुनिक माध्यम से शिक्षा|*
4. *नवाचारी गतिविधियाँ|*
5. *'नन्हें उस्ताद' मासिक पत्रिका|*
6. *टीम अनोगा|*

हमारी चुनौतियां

1. *चार दीवारी का निर्माण|*
2. *विद्यालय भवन की मुरम्मत|*
3. *अंशकालीन जलवाह नियुक्ति |*
4. *शिक्षण अधिगम में निरंतर सुधार|*
5. *बच्चों के अधिगम स्तर में बढ़ोत्तरी|*

7. पाठशाला के चतुर्थ कक्षा के छात्र नितिन राणा कि पहाड़ी एवं हिन्दी भाषाओँ में रचित कुछ कविताएँ राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की समाचार-पत्र पत्रिकाओं में प्रकाशित हुई|
8. पाठशाला के छात्र नितिन राणा ने केंद्र स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता में हिस्सा लिया और फिर खण्ड स्तरीय स्पर्धा में भी हिस्सा लिया और विजेता दल का हिस्सा बन कर विद्यालय के साथ साथ अपना व अपने माता पिता का नाम रोशन किया|
9. अनोगा स्कूल के फेसबुक पेज को जो की पिछले वर्ष लगभग इसी समय बनाया गया था आज एक वर्ष के पश्चात 5000 से अधिक लाइक्स मिल चुके हैं|

पुस्तकालय वार्षिक प्रतिवेदन:

पाठशाला के पुस्कालय में विभिन्न विषयों से सम्बन्धित लगभग 800 पुस्तकें हैं| पुस्तकालय में एक समाचार पत्र भी लगाया गया है| बच्चों के लिए सप्ताह में वीरवार के दिन विश्रांति के पश्चात का समय पुस्तकालय कालांश के रूप में निर्धारित किया गया है| इस समय में बच्चे अपनी रूचि की पुस्तकें पढ़ते हैं|

इस सत्र से एक पत्रिका भी समय समय पर पुस्तकालय में उपलब्ध करवाई जाती है|

बाल संसद 2017 का विवरण:

इसमें प्रधानमन्त्री नितिन राणा, उप प्रधानमन्त्री मनीष कुमार, पुस्तकालय एवं अनुशासन मंत्री अब्दुर रहमान, MDM व स्वच्छता मंत्री काजल देवी तथा खेल मंत्री श्रुति को बच्चों ने चुना|

स्कूल प्रबंधन समिति:

पाठशाला में जो स्कूल प्रबंधन समिति का गठन किया गया है इसका मुख्य उद्देश्य बच्चों के व पाठशाला के विकास को ध्यान में रख कर कार्य करना ही है|इस सत्र में इस संघ में निम्नलिखित पदाधिकारी है: श्री मति अंग्रेजो देवी

पदेन सदस्य

1. श्री सदीक मुहम्मद अध्यक्ष
2. श्री कंचन सिंह सदस्य सचिव

पाठशाला द्वारा वर्ष 2018 की सह शैक्षणिक गतिविधियों का विवरण:

1 सत्र की शुरुआत फरवरी माह में हुई, इस माह (सत्र) की पहली बाल सभा को पाठशाला में नये दाखिल हुए छात्रों के स्वागत समारोह या प्रतिभा खोज समारोह के रूप में मनाया गया|

2 28 फरवरी 2018 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया| इसमें बच्चों को पीपीटी प्रेजेंटेशन के माध्यम से भारत के वैज्ञानिकों के विषय में जानकारी दी गयी व इसके साथ ही प्रश्नोत्तरी व चित्रकला प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया|

3 15 अप्रैल 2018 को अवकाश के दिन भी शाला लगी और हिमाचल दिवस मनाया गया| इस अवसर पर सभी बच्चों के साथ केक काट कर प्रदेश का जन्मदिवस मनाया| प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के अतिरिक्त हिमाचल प्रदेश की संस्कृति पर एक लघु फिल्म भी दिखाई गयी|

4 राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के दिन बच्चों को व्यक्तिगत स्वच्छता व कृमि की जानकारी दी गयी साथ ही एल्बेन्डाजोल की दवाई भी खिलाई गयी|

5 5 जून 2018 को पर्यावरण दिवस के अवसर पर पाठशाला में बहुत सी गतिविधियाँ मनायी गयीं|

6 21 जून 2018 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सामूहिक योग अभ्यास किया गया व योग आसन प्रतियोगिता के साथ योग आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया|

का भी आयोजन किया गया|

7 15 अगस्त 2018 को स्वतन्त्रता दिवस मनाया गया इस अवसर पर बहुत से कार्यक्रम आयोजित किये गये|

8 29 अगस्त को पाठशाला में खेल दिवस का आयोजन किया गया इसमें बच्चों के लिए अलग अलग खेल कूद प्रतियोगिताएं आयोजित की गयीं जिनमें बच्चों ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया|

9 14 सितम्बर 2018 को हिन्दी दिवस के अवसर पर बच्चों ने प्रश्नोतरी प्रतियोगिता में हिस्सा लिया व कविता पाठ भी किया|

10. 2 अक्तूबर 2018 को राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी व लाल बहादुर शास्त्री की जयंती भी धूम धाम से मनायी गयी| बच्चों ने केक काट कर बापू का जन्मदिन मनाया|

11. 2 अक्तूबर 2018 से 8 अक्तूबर 2018 तक वन्य प्राणी सप्ताह का आयोPजन किया गया| इसके अंतर्गत बच्चों के लिए एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया व बच्चों ने वन्य जीवन एवं प्रकृति से जुड़े कुछ अनोखे तथ्यों के संग्रह वाली लघु पुस्तिका का भी विमोचन किया|

12. 14 नवम्बर 2018 को बाल दिवस भी पाठशाला में धूमधाम से मनाया गया| इस बार इसे बाल सुरक्षा दिवस के रूप में मनाया गया व बच्चों को गुड टच बैड टच के बारे में

वन्य प्राणी एवं प्रकृति संरक्षण पर जगाया जागरूकता का अलख

तेलका, 19 अक्तूबर (सवेरा) : बीआरसीसी कार्यालयस में सीखने के प्रतिफल विषय पर आयोजित छह दिवसीय कार्यशाला शुक्रवार को संपन्न हुई। इस मौके पर कनिष्ठ अध्यापक युद्धवीर टंडन ने शिक्षा खंड सुंडला के प्राथमिक अध्यापकों को वन्य प्राणी एवं प्रकृति विषय पर एक विशेष प्रस्तुति दी। जिसमें वन्य प्राणियों के महत्व एवं संरक्षण विषय पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान वन्य प्राणियों के अस्तित्व पर मंडरा रहे खतरे और उनसे हमारे जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों की जानकारी भी प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त उन्होंने वन्य प्राणियों के बारे में अधिक से अधिक संवेदनशील होने की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने बताया कि भविष्य में भी इस प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा ताकि वन्य प्राणियों के महत्व को लेकर लोगों को जागरूक किया जा सके। इस मौके पर खंड स्त्रोत समन्वयक सुरेश कुमार व स्त्रोत व्यक्ति बहादुर सिंह, कुलदीप कुमार व सुरेश कुमार आदि उपस्थित थे।

दैनिक सवेरा Sat, 20 Oc
dainiksave

बच्चों को किया भारतीय प्रशासनिक सेवाओं की परीक्षा की तैयारी को जागरूक किए छात्र

बच्चों को जागरूक करते युद्धवीर टंडन।

तेलका, 27 अक्तूबर (सवेरा) : राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला सुंडला में बैग फ्री डे के अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें अनोगा स्कूल के कनिष्ठ अध्यापक युद्धवीर टंडन ने बच्चों को जागरूक किया। इस अवसर पर पाठशाला के वरिष्ठ अध्यापक व हिमाचल राजकीय अध्यापक संघ के जिला चम्बा अध्यक्ष योग राज ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। इस दौरान टंडन ने छात्र- छात्राओं को जमा दो के पश्चात भारतीय प्रशासनिक सेवाओं की ओर अपना रुख करने की प्रेरणा दी। उन्होंने बच्चों को बताया कि अगर समय पर ही इस परीक्षा की तैयारी शुरू कर दी जाए तो सरलता से इस लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। इस दौरान पावर प्वाइंट प्रेसैंटेशन के माध्यम से एक विशेष प्रस्तुति भी दी गई। बच्चों को जमा दो के बाद व्यवसाय चुनने में किन बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए, इस विषय पर भी चर्चा की गई। इस अवसर पर बीआरसीसी अपर प्राइमरी व प्राइमरी शेर सिंह राठौर व सुरेश कुमार के साथ-साथ कार्यवाहक प्रधानाचार्य राजीव ठाकुर, शारीरिक शिक्षक विनोद ठाकुर, रोशन लाल, विनोद ठाकुर, अमरजीत, राकेश कुमार, वीरेंद्र ठाकुर सुरेश कुमार व मनोज कुमार आदि भी उपस्थित रहे।

पक्षियों के संरक्षण को लेकर जागरूक किए शिक्षक

सुंडला में सीखने के प्रतिफल पर बीआरसी कार्यालय में सजी कार्यशाला

स्टाफ रिपोर्टर, चंबा

खंड स्रोत समन्वयक कार्यालय सुंडला में सीखने के प्रतिफल पर सजी छहदिवसीय कार्यशाला शुक्रवार को संपन्न हो गई। कार्यशाला के अंतिम दिन शिक्षक युद्धवीर टंडन कार्यशाला में मौजूद शिक्षकों को वन्य प्राणी एवं प्राकृतिक संरक्षण विषय पर एक विशेष प्रस्तुति पेश की। इस दौरान वन्य प्राणियों के अस्तित्व पर मंडरा रहे खतरे और इससे मानव जीवन पर पड़ रहे प्रभावों पर भी गहन विचार किया। वहीं शिक्षकों को प्रकृति के संरक्षण का भाव बच्चों के मन में बचपन से ही डालने की बात कही, ताकि इसे वह अपने जीवन में अपना कर हमेशा इसके संरक्षण के लिए तत्पर रहें। उन्होंने वन्य प्राणियों के बारे में अधिक से अधिक संवेदनशील होने की जरूरत पर भीं बल दिया। अध्यापक युद्धवीर टंडन ने बताया कि वन्य प्राणियों के संरक्षण की सोच उनके मन में चंबा जिला के प्रसिद्ध प्राणी वैज्ञानिक एवं पांगी महाविद्यालय में प्राचार्य डा. विपिन राठौर की प्रेरणा से आई और हर वर्ष अक्तूबर माह में इस विषय पर जागरूकता कार्यक्रमों का निरंतर आयोजन करते रहते हैं। उन्होंने भविष्य में इस प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन की सहमति जताई, ताकि वन्य प्राणियों के महत्त्व को लेकर लोगों को जागरूक किया जा सके। इस मौके पर खंड स्रोत समन्वयक सुरेश कुमार व स्रोत व्यक्ति बहादुर सिंह, कुलदीप कुमार व सुरेश कुमार सहित अन्य मौजूद रहे।

दिव्य हिमाचल Sat, 20 October 2018
epaper.divyahimachal.com/c/33255937

दैनिक सवेरा टाइम्स

न्यूज गैलरी

राष्ट्रीय संसाधन प्रतियोगिता में शिक्षक युद्धवीर टंडन तीसरे स्थान पर

तेलका (सवेरा) : टीचर एप के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित करवाई गई राष्ट्रीय संसाधन प्रतियोगिता में देश भर से प्राप्त हुई 3000 वीडियो में शिक्षा खण्ड सुंडला के राजकीय प्राथमिक पाठशाला अनोगा के शिक्षक युद्धवीर टंडन ने शीर्ष दस स्थानों में अपना स्थान बनाया है। शीर्ष तीन में चयनित होने के लिए ऑनलाइन वोटिंग के माध्यम से फैसला किया गया। यह वोटिंग 1 अक्तूबर से 16 अक्तबर रात 12 बजे तक चली जिसमें शिक्षक युद्धवीर टंडन ने 4,195 मत प्राप्त कर शीर्ष तीन स्थानों में जगह बनाई। प्रतियोगिता में उनके शीर्ष तीन स्थान पर रहने पर स्थानीय लोगों में खुशी का माहौल है। वहीं, शिक्षक युद्धवीर ने इस उपलब्धी पर ईश्वर, अपने परिवार, गुरुओं व भारत के कोने-कोने से उन्हें वोट करने वालों का आभार व्यक्त किया है।

दैनिक सवेरा Thu, 18 October 2018
dainiksaveratimes.epapr.in/c/332055

बच्चों ने सीखा पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन देना

स्टाफ रिपोर्टर, चंबा

शिक्षा खंड सुंडला के अंतर्गत आने वाले राजकीय प्राथमिक पाठशाला अनोगा बैग फ्री डे का आयोजन किया गया। इस दौरान स्कूल शिक्षक युद्धवीर टंडन ने छात्रों को जमा दो के पश्चात भारतीय प्रशासनिक सेवाओं की ओर अपना रुख करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने छात्रों को बताया कि बताया कि किस प्रकार अगर समय से इस परीक्षा की तैयारी कर आसानी से लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। इस दौरान बच्चों को पॉवर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से एक विशेष प्रस्तुति भी दिखाई गई। बच्चों को जमा दो के बाद व्यवसाय चुनने में किन बातों क विशेष ध्यान रखना चाहिए इस पर भी बात हुई बच्चों को चुनौतियों से लड़ कर कैसे जीत हासिल की जा सकती है। इस मौके पर स्कूल के वरिष्ठ अध्यापक व हिमाचल राजकीय अध्यापक संघ के जिला चंबा अध्यक्ष योग राज ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। इस मौके पर बीआरसीसी अपर प्राइमरी व प्राइमरी शेर सिंह राठौर व सुरेश कुमार के साथ-साथ कार्यवाहक प्रधानाचार्य राजीव ठाकुर, शारीरिक शिक्षक विनोद ठाकुर, रोशन लाल व विनोद ठाकुर सहित अन्य मौजूद रहें।

दिव्य हिमाचल Sun, 28 October 2018
epaper.divyahimachal.com/c

5 | दिव्य हिमाचल
divyahimachal.com

धर्मशाला, गुरुवार, 18 अक्तूबर, 2018

देश में छाया चंबा का प्राइमरी टीचर

राष्ट्र स्तरीय प्रतियोगिता में तीसरे स्थान पर रहा डिस्पोजेबल कप से गणित सिखाने का तरीका, युद्धवीर टंडन ने चमकाया नाम

■ मान सिंह, चंबा

देश के पिछड़े जिलों में शुमार चंबा के एक होनहार प्राइमरी स्कूल टीचर ने कुछ ऐसी शानदार कामयाबी हासिल की है कि समूचे जिला के लोगों का सीना गर्व से चौड़ा हो गया है। चंबा के सुंडला शिक्षा खंड की राजकीय प्राथमिक पाठशाला अनोगा में कार्यरत अध्यापक युद्धवीर टंडन की कृति ने देश भर में तृतीय स्थान प्राप्त किया है। श्री टंडन ने डिस्पोजेबल कप जैसी मामूली चीज के इस्तेमाल से एक ऐसा चलित नक्शा तैयार किया है, जिसके बूते पहली और दूसरी कक्षा के छात्रों को गणना, जमा, घटाव, संख्या निर्माण व स्थानीय मान आदि गणित के मूल सूत्र खेल-खेल में आसानी से समझाए जा सकते हैं। युद्धवीर टंडन ने इस अनोखी शिक्षण विधा का वीडियो तैयार कर राष्ट्र स्तरीय प्रतियोगिता में एंट्री भेजी थी, जो चंबा के साथ-साथ हिमाचल के लिए गौरव का सबब बन गई। राष्ट्रीय स्तर पर टीचर ऐप के माध्यम से आयोजित करवाई गई राष्ट्रीय संसाधन प्रतियोगिता में देश भर से प्राप्त हुई 3000 वीडियो में से 10 शिक्षक चुने गए थे, जिनकी रचनात्मकता और प्रतिबद्धता ने प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल को अत्यधिक प्रभावित किया था। इनमें हिमाचल के चंबा के शिक्षा खंड सुंडला राजकीय प्राथमिक पाठशाला अनोगा के शिक्षक युद्धवीर टंडन का नाम भी शामिल था। उनकी ओर से चलचित्र प्रतियोगिता के लिए भेजे गए नक्शे में शीर्ष तीन पर पहुंचने के लिए ऑनलाइन वोटिंग हुई। पहली से 16 अक्तूबर रात 12 बजे तक चली वोटिंग में शिक्षक युद्धवीर टंडन ने चार हजार 195 मत प्राप्त कर शीर्ष तीन स्थानों में जगह पाई है। वह अपने निकटम प्रतिद्वंदी से एक हजार मतों के अधिक अंतर से आगे रहे हैं। शिक्षक की

वोट-सपोर्ट करने वालों का थैंक्स

शिक्षक टंडन ने अपने मित्रों, सगे- संबंधियों, गुरुओं, चंबावासियों, हिमाचलवासियों व भारत के कोने-कोने से उन्हें वोट करने वालों का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने विशेष तौर पर सिरमौर, किन्नौर, कुल्लू, कांगड़ा, मंडी, सोलन व शिमला के अध्यापक साथियों का सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया है। साथ ही अपने आदर्श डा. विपन राठौर का अभार जताया है।

■ शिक्षा खंड सुंडला के अनोगा स्कूल में दे रहे सेवाएं

कार्यकुशलता एवं स्मार्ट थ्यौरी के चलते अनोगा स्कूल शिक्षा विभाग की योजना खास शिक्षा में भी प्रदेश भर में पहला स्थान हासिल कर चुका है। उधर, प्रधानाचार्य व परियोजना अधिकारी डाइट चंबा सुमन मिन्हास ने बताया कि शिक्षक युद्धवीर टंडन के मॉडल ने राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का नाम चमकाया है। अन्य शिक्षकों को भी इसी तरह के प्रयास करने चाहिएं। इससे प्रदेश में बेहतर शिक्षा का सपना साकार किया जा सकेगा।

दिव्य हिमाचल Thu, 18 October 2018
epaper.divyahimachal.com/c/33217999

2 फोकस हिमाचल
12 सितंबर से 18 सितंबर 2018

स्टूडेंट्स एंड कैंपस

www.focushimachal.com

खास शिक्षा। चंबा जिला के सुंडला शिक्षा खंड के अनोगा स्कूल के अध्यापक युद्धवीर ने प्रदेश भर हासिल किया पहला स्थान

शिक्षक युद्धवीर के प्रयास, अनोगा बना खास

चंबा से मनीष वैद की रिपोर्ट

इस बार शिक्षा विभाग की ओर से खास शिक्षा के तहत चंबा जिला के शिक्षा खंड सुंडला की राजकीय प्राथमिक पाठशाला अनोगा को प्रथम पुरस्कार के लिए चुना गया है। पाठशाला की इस बड़ी उपलब्धि पर पाठशाला के सभी बच्चे, अभिभावक, अध्यापक एवं ग्रामीण बहुत प्रसन्न हैं। इस पुरस्कार के लिए विद्यालय का चयन उसकी नवाचारी गतिविधियों के लिए हुआ है। शिक्षा विभाग ने यह जानकारी सांझा करते हुए विद्यालय की मासिक पत्रिका 'नन्हें उस्ताद' का जिक्र किया। इसके साथ बैंक, अस्पताल, एवं अन्य पर्यटन स्थलों पर बच्चों को भ्रमण के लिए ले जाने के भी सराहना की। इसके अतिरिक्त बाल संसद एवं बाल बचत बैंक आदि नवाचारों की प्रशंसा की। प्रातः कालीन सभा को तीन भाषाओं हिन्दी, अंग्रेजी, एवं संस्कृत में संचालित करने पर भी बच्चों की तारीफ की। साथ ही अध्यापक युद्धवीर द्वारा गतिविधि आधारित सक्रिय अधिगम एवं खाली समय में भी बच्चों को शैक्षिक एवं खेल- कूद गतिविधियों में व्यस्त रखने की कार्यशैली की भूरी- भूरी प्रशंसा की। सच यही है कि शिक्षक युद्धवीर के प्रयासों से न केवल यह स्कूल आदर्श स्कूल बन कर उभरा है, बल्कि उनके प्रयासों का ही फल है कि प्रदेश स्तर पर अनूठी कहानी लिख रहा है।

पाठशाला की अपनी एक मासिक हिन्दी बाल समाचार पत्रिका 'नन्हें उस्ताद' है जिसका सारा कार्य बच्चों द्वारा स्वयं किया जाता है। इसके आठ मासिक व एक वार्षिक अंक प्रकाशित किया जा चुका है। पाठशाला में एक बाल मंत्रिमंडल स्थापित किया गया है जिसमें बच्चों को ही प्रधानमन्त्री से लेकर अन्य मंत्रियों के दायित्व दिए हैं, ताकि बच्चों में प्रतिनिधित्व के गुणों का विकास किया जा सके। बच्चों में बचत की आदत का विकास करने व बैंक की कार्यप्रणाली के व्यवहारिक ज्ञान में ये नवाचार अत्यंत सहायक है। बच्चों में ईमानदारी की भावना का विकास करने के लिए एक छोटी सी दुकान भी पाठशाला में चलाई गई है, जिससे बच्चे अपनी जरूरत का सामान अपने हिसाब से लेते है और उसकी कीमत दुकान में रखे बॉक्स में डाल देते है। जो भी बच्चा साफ सुथरा बन कर विद्यालय आता है उसे एक स्वच्छता बैज लगा कर सम्मानित किया जाता है। एक और बच्चे पारम्परिक शिक्षण विधियों के माध्यम से सीखते है, वहीं आधुनिक तकनीक का प्रयोग कर बच्चों का लैपटॉप के माध्यम से पढ़ाया जाता है। योग के प्रति जागरूक करने के लिए हर रोज आधा घंटा पाठशाला में ही योग करवाया जाता है। पाठशाला के कक्षों विभिन्न स्थानों का देश के महापुरुषों के नाम पर नामकरण किया गया है, ताकि बच्चे उनके बारे में जान सकें और भावनात्मक लगाव भी स्थापित हो सके।

ऐसे चुना जाता है खास शिक्षक

हिमाचल प्रदेश शिक्षा विभाग द्वारा शिक्षा में गुणवत्ता को बढ़ाने व जमीनी स्तर पर बेहतरीन कार्य करने वाले अध्यापकों को खास शिक्षा के तहत पहचान कर खास शिक्षक के रूप सम्मानित किया जाता है। इसके लिए सबसे पहले खंड शिक्षा अधिकारी या खंड स्रोत समन्वयक के माध्यम से अध्यापक का नाम शिक्षा विभाग की वेबसाइट पर नामांकित किया जाता है। फिर जगह जगह से आए हुए नामांकनों के आधार पर उन्हीं में से राज्य समीक्षा समिति की बैठक में अध्यापक का खास शिक्षक बनने के लिए चुनाव होता है। चयनित होने पर उस विद्यालय व अध्यापक का नाम शिक्षा विभाग की वेबसाइट पर सांझा किया जाता है और शिक्षा निदेशक की तरफ से एक प्रशंसा पत्र भी प्रदान किया जाता है।

राष्ट्रीय स्तर पर टॉप टेन में युद्धवीर

अध्यापक युद्धवीर का कहना है कि हिमाचल प्रदेश शिक्षा विभाग की ओर से खास शिक्षा योजना के अंतर्गत हमारी पाठशाला को प्रदेश भर में पहला स्थान मिलना, पाठशाला की नवाचारी गतिविधियों की प्रशंसा होना, सभी अध्यापकों, सम्बंधियों, मित्रों व अनोगा का साथ देने वाले हर शख्स की मेहनत का फल है। वे कहते है कि हमारी पाठशाला इतने कम समय में न केवल इस योजना में नामित हुई बल्कि प्रथम स्थान पर भी रही। उन्होंने अपनी इस उपलब्धि को अपने आदर्श डॉ. विपन राठौर को समर्पित किया, जिनकी कही एक एक बात हमेशा उनके लिए प्रेरणा का स्त्रोत रही है। प्राथमिक शिक्षा में पारदर्शी प्रयोगों की वजह से सुर्खियां बटोर रहे युद्धवीर राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी चमक बिखेर रहे हैं। युद्धवीर का चयन राष्ट्रीय संसाधन प्रतियोगिता के शीर्ष दस में भी हो चुका है। अब प्रथम तीन के लिए वोटिंग शीघ्र ही 'द टीचर ऐप' पर शुरू होने वाली है। वे पहले तीन स्थानों के लिए मजबूत दावेदार है। उनका कहना है कि अपने माता पिता, गुरुजनों, पाठशाला प्रभारी कंचन सिंह, मित्रों व व आदर्श डॉ. विपिन राठौर के सहयोग और आशीर्वाद से ही वे प्राथमिक शिक्षा के क्षेत्र में सर्वोत्तम देने में सफल रहे हैं।

बताया गया| उन्हें 'कोमल' फिल्म भी दिखाई गयी व साथ ही जिला चम्बा चाइल्ड लाइन के संयोजक श्री कपिल शर्मा जी भी बच्चों से फोन कॉल पर मुखातिब हुए|

13 बच्चों को भारत का मिनी स्विट्जरलैंड कहे जाने वाले खजियार के भ्रमण पर ले जाया गया| रास्ते में बच्चों ने तलेरू वोटिंग पॉइंट, भलेई माता मन्दिर, रोक गार्डन, अन्तः निर्माण केंद्र व पोहलानी माता मन्दिर आदि स्थलों का भी भ्रमण किया|

पूर्व छात्र संगठन

इसी स्त्र से पाठशाला के इच्छुक पूर्व छात्र/छात्राओं को मिलाकर पूर्व छात्र संघ बनाया जायेगा|ताकि समय समय पर उनकी सेवाएं पाठशाला के विकास में ली जा सकें|

आगामी वर्ष हेतु विकास कार्य योजना:

पाठशाला प्रांगण का सौंद्र्यीकरण किया जायेगा| पाठशाला के एक जर्जर कक्ष व Boundary Wall निर्माण हेतु सरकार व विभाग से सहायता मांगी जाएगी| पाठशाला के लिए कम्प्यूटर, व टी.वी. आदि खरीदा जायेगा| शौचालय के दरवाजों की मुरम्मत की जायेगी| एक पोडियम खरीदा जायेगा| हर बच्चे को गृह कार्य दैन्दिनी उपलब्ध करवाई जायेगी| कुछ खेल सामग्री खरीदी जाएगी|

अध्यापक उपलब्धियां:

श्री कंचन सिंह जो की से पाठशाला में कार्यरत हैं| वर्तमान में पाठशाला प्रभारी भी हैं ने केंद्र व खण्ड स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में बच्चों को प्रशिक्षण दिया| इसके अतिरिक्त वर्ष भर के पत्राचार सम्बन्धी सभी दायित्वों का भी निर्वहन किया|

श्री युद्धवीर जो की 30 सितम्बर 2016 से पाठशाला में कनिष्ठ अध्यापक के तौर पर कार्यरत हैं| 9 जनवरी 2018 से 12 जनवरी तक जिला सिरमौर के नैना टिककर में आयोजित एक राज्य स्तरीय कार्यशाला में अनोगा स्कूल की गतिविधियों पर आधारित एक प्रस्तुती दिखाई जिसकी पुरे हिमाचल से आये अध्यापकों ने सराहना की| BRCC कार्यालय सुंडला में भी अनोगा स्कूल की वर्तमान गतिविधियों पर प्रस्तुती दी, इसके अतिरिक्त डाइट चम्बा में भी खास शिक्षा के तहत पाठशाला को प्रस्तुत किया| इस वर्ष प्रदेश भर में खास शिक्षा योजना में पहला स्थान हासिल किया| अपनी नवाचारी शिक्षण गतिविधियों के लिए पुरे भारतवर्ष में शीर्ष तृतीय में स्थान हासिल किया| वर्तमान में मध्याहन भोजन के प्रभारी हैं| इसके साथ ही पाठशाला की पत्रिका नन्हें उस्ताद, पाठशाला की बाल संसद, स्वच्छता कमेटी, बाल बचत बैंक व बाल सभा के समन्वयक की भूमिका भी निभा रहे हैं|

इस वर्ष सीखने के प्रतिफल विषय पर 6 दिवसीय जिला स्तरीय कार्यशाला में DIET चम्बा में हिस्सा लिया व दो चरणों में खण्ड स्तरीय कार्यशाला का आयोजन भी BRCC कार्यालय सुंडला में करवाया| पाठशाला के छात्र नितिन राणा (चतुर्थ कक्षा) व अन्य 10 बच्चों को खण्ड स्तरीय खेल कूद प्रतियोगिता में हिस्सा लेने हेतु राजकीय केन्द्रीय प्राथमिक पाठशाला भुनाड ले कर गये| इसके साथ ही इनकी कुछ रचनाएँ इस वर्ष समाचार पत्र व पत्रिकाओं में भी प्रकाशित हुई हैं| ईरा संस्था के माध्यम से राजकीय उच्च विद्यालय ग्नेड में आयोजित विज्ञान मेले में स्त्रोत व्यक्ति के तौर पर बच्चों को जानकारी दी| राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला सुंडला में एक दिवसीय विशेष प्रतिनियुक्ति के दौरान बच्चों को प्रशासनिक सेवाओं के विषय में जानकारी दी| राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला सुंडला में एक दिवसीय विशेष प्रतिनियुक्ति के दौरान बच्चों को प्रशासनिक सेवाओं के विषय में जानकारी दी| इसी प्रकार एक और विशेष प्रतिनियुक्ति पर खण्ड स्त्रोत समन्वयक कार्यालय सलूणी में अध्यापक साथियों के साथ अपने विद्यालय की प्रमुख गतिविधियों व शैक्षिक अनुभवों पर चर्चा की|

आयोजन | प्राथमिक पाठशाला अनोगा में बच्चों को चुनाव प्रक्रिया बताई

बाल संसद में नितिन पीएम व राहुल डिप्टी पीएम

संवाद सहयोगी, चंबा : शिक्षा खंड सुंडला के अंतर्गत आने वाली राजकीय प्राथमिक पाठशाला अनोगा में बाल संसद का गठन किया गया। बाल संसद में स्कूल के बच्चों ने विभिन्न दायित्वों के लिए गुप्त मतदान किया। इस दौरान प्रधानमंत्री व उपप्रधानमंत्री समेत तीन अन्य मंत्रियों का चयन बच्चों द्वारा किया गया।

प्रधानमंत्री पद के लिए चार उम्मीदवार थे, जिनमें पांचवीं कक्षा की छात्रा काजल देवी, छात्र बबलू शेख व नितिन राणा तथा चौथी कक्षा का छात्र राहुल कुमार शामिल

अनुशासन एवं पुस्तकालय मंत्री के रूप में चौथी के अब्दुर रहमान चुने। बाल संसद के समन्वयक अध्यापक युद्धवीर टंडन ने दी जानकारी।

विद्यालय एक लघु समाज की भांति है, जिसमें बच्चों को हर प्रकार का व्यवहारिक मिलना चाहिए। बच्चों को प्रजातंत्र से प्रेम हो और उनकी आस्था प्रजातंत्र में उत्पन्न हो। इसके लिए इस प्रकार की गतिविधियां आयोजित की जाती हैं।

उन्होंने बताया कि यह लगातार दूसरी बार गठित की जा रही है एवं बच्चों के सर्वांगीण विकास में इससे काफी मदद मिलती है। इसके साथ ही प्रभारी कंचन सिंह में सभी बच्चों को शुभकामनाएं दी और दायित्वों के निर्वहन और अध्ययन पर विशेष बल देने की बात कही।

समाचार पत्रिका नन्हें उस्ताद के आठवें अंक का विमोचन

निजी संवाददाता, सुरगांणी

शिक्षा खंड सुंडला के अंतर्गत आने वाली राजकीय प्राथमिक पाठशाला अनोगा में खेल दिवस के अवसर पर पाठशाला के बच्चों ने बाल उपप्रधानमंत्री मनीष कुमार, रसोई मंत्री एवं नन्हें उस्तादष् के आठवें अंक की संपादक काजल देवी के साथ पाठशाला की हिंदी मासिक बाल समाचार पत्रिका नन्हें उस्तादष् के नए अंक का विमोचन किया। गौरतलब है कि इससे पहले भी इस पत्रिका के सात मासिक एवं एक वार्षिक अंक प्रकाशित हो चुके हैं। अनोगा स्कूल की यह पत्रिका बच्चों की बच्चों के लिए और बच्चों द्वारा तैयार पत्रिका है इस पत्रिका में सम्पादक, लेखक, कवि और पाठक सब बच्चे ही हैं। बच्चों के द्वारा अपनी रचनाएं हैं। पत्रिका में प्रकाशन के लिए दी जाती हैं पत्रिका में पाठशाला की माह भर की प्रमुख गतिविधियों को उल्लेख रहता है जिससे यह पाठशाला के प्रतिबिम्ब के रूप में भी कार्य करती है इस अंक में पाठशाला के पंचम कक्षा के छात्र नितिन राणा ने अपनी कविता आजादी और काजल देवी ने अपनी कहानी ष्कहानी एक जंगल कीष् लिखी है। चतुर्थ कक्षा के छात्र मनीष कुमार ने अपने खजियार भ्रमण पर और बबलू शेख ने तेलका की सैर पर लेख लिखा हैद्य इसमें बच्चों द्वारा संकलित सामग्री यथा चुटकुले और पहेलियां भी लिखी जाती हैं बच्चों ने खेल दिवस पर भगत सिंह मैदान में विभिन्न खेल चम्मच दौड, बोरी दौडं, कुर्सी दौड, मटका दौड, जलेबी दौड़ व मटका दौड़ भी खेली। इस अवसर पर पत्रिका के समंवयक कनिष्ठ अध्यापक युद्धवीर ने बताया की पत्रिका का उद्देश्य बच्चों अभिव्यक्ति का अवसर देना और साहित्य में रूचि उत्त्पन्न करना हैद्य। पत्रिका का प्रकाशन आगे भी यूं ही जारी रहेगा।

दिव्य हिमाचल Thu, 30 August 2018
epaper.divyahimachal.com/c/31696298

अनोगा स्कूल के बच्चों ने ली चिकित्सा संबंधी जानकारी

संवाद सूत्र, तेलका : शिक्षा खंड सुंडला के अंतर्गत राजकीय प्राथमिक पाठशाला अनोगा के सभी बच्चे अध्यापकों संग तेलका बाजार के एक दिवसीय शैक्षिक भ्रमण पर निकले। इस दौरान सभी बच्चों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सलवां ले जाया गया जहां उन्हें अस्पताल की कार्यप्रणाली व व्यवहारिक ज्ञान से फार्मासिस्ट शालिनी भारद्वाज ने अवगत करवाया। बच्चों को अस्पताल में मौजूद चिकित्सीय उपकरणों तथा तापमापी

...के दौरान उपस्थित ● जागरण

...के जबाब दिए। कनिष्ठ अध्यापक युद्धवीर टंडन ने बताया कि इस भ्रमण का उद्देश्य बच्चों को जहां एक ओर बैंक व चिकित्सा केंद्र की व्यवहारिक जानकारी देना था तो वहीं बच्चों को अपनी झिझक दूर करने का अवसर देकर अधिगम को और अधिक प्रभावी और रुचिकर बनाना भी था।

सदीक मोहम्मद को चुना अनोगा एसएमसी अध्यक्ष

अनोगा स्कूल में स्कूल प्रबंधन समिति के चुनाव के दौरान मौजूद सदस्य ● जागरण

संवाद सूत्र, तेलका : शिक्षा खंड सुंडला के अंतर्गत आने वाली राजकीय प्राथमिक पाठशाला अनोगा में स्कूल प्रबंधन समिति की आम सभा का आयोजन किया गया, जिसमें अभिभावकों ने सर्वसम्मति से सदीक मोहम्मद को अध्यक्ष के रूप में चुना। इसके अलावा राधा देवी, नीलम देवी, आशा देवी व कुलदीप सिंह को सदस्य व निर्मला देवी को पदेन सदस्य चुना गया। इसके अवसर पर शिक्षकों में रमजान मोहम्मद, कंचन सिंह व युद्धवीर टंडन मौजूद रहे।

...नोगा स्कूल के विद्यार्थियों ने ...ना खजियार झील का इतिहास

...भ्रमण के दौरान अध्यापकों के साथ अनोगा स्कूल के विद्यार्थी ● जागरण

...सूत्र, तेलका : राजकीय प्राथमिक ...ला अनोगा के विद्यार्थियों ने सोमवार को खजियार स्थित वन्य जीव ...क्षणिक भ्रमण किया। ...

पर्यटक स्थल माता पौहलानी, खजियार झील का भ्रमण किया।

कनिष्ठ अध्यापक युद्धवीर टंडन ने बताया कि हर साल बच्चों को शैक्षणिक ...

सिरमौर में अनोगा स्कूल की गतिविधियों की सराहना

उपलब्धि

- नौनाटिक्कर में चल रही राज्यस्तरीय एक प्रयास कार्यशाला
- स्कूल की गतिविधियों को पॉवर प्वाइंट पर किया प्रदर्शित

संवाद सूत्र, तेलका : जिला सिरमौर के नैनाटिक्कर में चल रही चार दिवसीय राज्यस्तरीय कार्यशाला 'एक प्रयास' में तेलका क्षेत्र के अनोगा स्कूल ने दबदबा बनाया है। अध्यापक युद्धवीर टंडन ने बताया अनोगा स्कूल में चल रही गतिविधियों पर आधारित एक प्रस्तुति दी। प्रतियोगिता के दौरान पॉवर प्वाइंट के माध्यम से अपना आदर्श पाठ भी प्रदर्शित किया। इसमें उन्होंने पाठशाला में चल रही बाल समाचार पत्रिका 'नन्हें उस्ताद', बाल संसद, बाल बचत बैंक, ईमानदारी की दुकान, स्मार्ट क्लास आधारित शिक्षा, स्वच्छता संबधी नवाचारों से अन्य प्रतिभागी साथियों को अवगत करवाया।

कार्यक्रम में सभी अध्यापकों ने बाल समाचार व अन्य सभी नवाचारों को शिक्षा की सराहना की। सभी प्रतिभागियों ने अपने अपने विद्यालय में भी इस नवाचार को शुरू करने की बात कही। इस अवसर पर जहां एक और पाठशाला की वर्षभर की गतिविधियों पर आधारित एक लघु वृत्त चित्र प्रदर्शित किया गया। वहीं राजकीय प्राथमिक पाठशाला अनोगा का वार्षिक समारोह भी अध्यापकों के लिए आकर्षण का केंद्र बना रहा। इसके अतिरिक्त अन्य जिलों से आये प्रतिभागियों ने भी अपने नवाचार व विचार साझा किए।

इस कार्यशाला में चंबा, शिमला, किन्नौर, मंडी, कुल्लू, सोलन व सिरमौर जिला के प्रतिभागियों ने भाग लिया। यह शिक्षण अधिगम सामग्री आधारित कार्यशाला थी, जिसमें बहुत से नवाचारों से रूबरू होने का अवसर मिला। कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि प्रारंभिक शिक्षा उपनिदेशक सिरमौर डीएस नेगी ने शिरकत की।

अनोगा स्कूल में हिमाचल दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित बच्चे ● जागरण

डॉ. रितिका ने किया 'नन्हे उस्ताद' के छठे अंक का विमोचन

संवाद सूत्र, तेलका : राजकीय प्राथमिक पाठशाला अनोगा में बच्चों की ओर से प्रकाशित हिंदी मासिक बाल समाचार पत्रिका 'नन्हे उस्ताद' के छठे अंक का विमोचन हुआ। इसका विमोचन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र डंडी की चिकित्सा अधिकारी डॉ. रितिका ने किया। इस अंक में बच्चों की अपनी स्वरचित रचनाओं, संकलित सामग्री, पाठशाला समाचारों व अतिथि रचनाओं के साथ माह भर पाठशाला में आयोजित की गई गतिविधियों का भी जिक्र किया गया है। खास बात यह है कि इस पत्रिका में संपादक और सह-संपादक की भूमिका से लेकर लगभग अन्य सभी छोटे-बड़े दायित्व बच्चों द्वारा ही निभाए जाते हैं। इस अंक के संपादक के रूप में पांचवीं कक्षा के नितिन राणा और सह-संपादक के रूप में काजल देवी ने कार्य किया। 'नन्हे उस्ताद' पत्रिका के समन्वयक कनिष्ठ अध्यापक युद्धवीर टंडन ने बताया कि अब तक इस पत्रिका के पांच मासिक व एक वार्षिक अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इस अंक में हमीरपुर जिला के विजय भरत दीक्षित का विद्यालय गीत अतिथि लेख और सिरमौर जिला की राजकीय प्राथमिक पाठशाला अपरोंह की तृतीय कक्षा की छात्रा एकता शर्मा और राजकीय प्राथमिक पाठशाला जखराल शिक्षा खंड सलूणी की छात्रा यामिनी सूर्या की कविताएं बाल अतिथि के रूप में प्रकाशित हुई हैं। पाठशाला प्रभारी कंचन सिंह ने बताया कि आगे भी पत्रिका का प्रकाशन जारी रहेगा। इस पत्रिका से बच्चों की प्रतिभा में निखार आता है, उन्हें कुछ नया करने का अवसर मिलता है।

...ग के विद्यार्थियों ने किया शैक्षणिक भ्रमण

राखी बांद पेड़ों की रक्षा का लिया संकल्प

तेलका, 25 अगस्त (सुनील) : राजकीय प्राथमिक पाठशाला अनोगा में शनिवार को बैग लैस डे कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न प्रकार की गतिविधियों के माध्यम से बच्चों का मार्गदर्शन किया गया। कनिष्ठ अध्यापक युद्धवीर टंडन ने बताया कि इस मौके पर अध्यापकों सहित बच्चों ने पाठशाला परिसर में लगाए गए पेड़ों की निदाई कर उनमें खाद डाली। इस दौरान उन्होंने पेड़ों को राखी बांध कर रक्षा बंधन मनाया। पेड़ को राखी बांधते हुए उनकी रक्षा का वचन भी दिया। इस मौके पर अध्यापकों द्वारा बच्चों को रक्षा बंधन के अर्थ के बारे में विस्तार से बताया गया। इसके उपरांत बच्चों ने सामूहिक योग अभ्यास भी किया। इसके अतिरिक्त बच्चों द्वारा बाल सभा का आयोजन भी किया गया। जिसमें पाठशाला के विभिन्न स्थानों एवं कक्षाओं का नामकरण भी मतदान के माध्यम से किया गया।

पेड़ को राखी बांधते अध्यापक।

दैनिक सवेरा Sun, 26 August 2018
dainiksaveratimes.epapr.in/c/31593…

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में नितिन राणा ...

संवाद सूत्र, तेलका : राजकीय प्राथमिक पाठशाला अनोगा में रविवार को बच्चों ने केक काटकर अध्यापकों के साथ हिमाचल दिवस मनाया। इस दौरान बच्चों को हिमाचली भाषा में बनी के फिल्म 'सांझ' भी दिखाई गई। इसके बाद अध्यापक युद्धवीर टंडन ने चंबा जिला पर जानकारी देती एक विशेष प्रस्तुति 'चंबा आचंभा' भी दी। बच्चों के लिए प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी करवाई गई। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में खजियार, पिन वैली, ग्रेट हिमालयन

विद्यार्थियों ने प्राकृतिक जलस्रोत संवारे

संवाद सूत्र, तेलका : शिक्षा खंड सुंडला के अंतर्गत आने वाली राजकीय प्राथमिक पाठशाला अनोगा में विश्व जल दिवस पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। इसमें बच्चों को पाठ्यक्रम में शामिल जल पर आधारित सभी पाठों पर प्रस्तुति अध्यापक युधवीर टंडन ने दी। प्रस्तुति में तृतीय कक्षा के सुनो कहानी पानी की, पानी का मोल, पानी है तो जीवन है।

चौथी कक्षा के पानी कहां-कहां, पर्वत से सागर तक और पांचवीं कक्षा के पनघट से खेतों तक और अनोखे खेल पानी के आदि पाठ शामिल रहे। सभी पाठ श्रव्य दृश्य तकनीक व गतिविधि आधारित शिक्षण विधि द्वारा करवाए गए। जल विषय पर आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का भी आयोजित की गई। इसमें रावी, चिनाब, सतलुज व ब्यास समूहों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। इसमें बच्चों ने बहुत सी गतिविधियां व प्रयोग किए। इसमें स्कूल में पानी की व्यवस्था और शौचालय व्यवस्था से संबंधित आंकड़े जुटाना व साथ ही क्या घुलता है क्या नहीं एवं वाष्पीकरण आदि प्रयोग शामिल रहे। चलचित्रों के माध्यम से बच्चों को पानी की कीमत समझाई गई। इसके उपरांत बच्चों ने अध्यापकों संग साथ लगती बावड़ी की सफाई की व प्राकृतिक पेयजल स्रोतों को सदैव साफ रखने की शपथ ली।

जलरक्षक करनैल सिंह व भिंद्रो राम ने शौचालय में पानी का स्थायी बंदोबस्त किया व बच्चों को जल का महत्व बताया। अध्यापक युद्धवीर टंडन ने बताया कि जल दिवस पर इन कार्यक्रमों के अतिरिक्त प्रत्येक बच्चे को व्यक्तिगत स्वच्छता किट भी वितरित की गई। इसमें साबुन, रुमाल, नेल कटर, ब्रश व पेस्ट शामिल हैं। वहीं स्कूल प्रभारी कंचन सिंह ने बच्चों को पुरस्कार वितरित किए।

अनोगा स्कूल के विद्यार्थी साफ-सफाई के बाद ● जागरण

e-paper
https://epaperjagran.com

संपादक, लेखक और कवि बने नौनिहाल

जानकारी

- अनोगा स्कूल में 'नन्हे उस्ताद' के आठवें अंक का विमोचन
- खेल दिवस पर आयोजित किया कार्यक्रम, अन्य मुकाबले भी करवाए

संवाद सूत्र, तेलका : राजकीय प्राथमिक पाठशाला अनोगा में खेल दिवस पर बुधवार को कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान बच्चों ने बाल उपप्रधानमंत्री मनीष कुमार, रसोई मंत्री एवं 'नन्हे उस्ताद' के आठवें अंक की संपादक काजल देवी के साथ पाठशाला की हिंदी मासिक बाल समाचार पत्रिका 'नन्हे उस्ताद' का विमोचन किया।

उन्होंने कहा कि इससे पहले भी इस पत्रिका के सात मासिक एवं एक वार्षिक अंक प्रकाशित हो चुके हैं। अनोगा स्कूल की यह पत्रिका बच्चों द्वारा तैयार की जाती है। पत्रिका में संपादक, लेखक, कवि और पाठक सब बच्चे ही हैं। बच्चों द्वारा अपनी रचनाएं पत्रिका में प्रकाशन के लिए दी जाती हैं। पत्रिका में पाठशाला की माह भर की प्रमुख गतिविधियों का उल्लेख रहता है। इस अंक में पाठशाला के पांचवीं कक्षा के छात्र नितिन राणा ने अपनी कविता 'आजादी' और काजल देवी ने अपनी कहानी 'कहानी एक जंगल की' लिखी है। चौथी कक्षा के छात्र मनीष कुमार ने अपने खजियार भ्रमण और बबलू शेख ने तेलका की सैर पर लेख लिखा है। इसमें बच्चों द्वारा संकलित सामग्री यथा चुटकुले और पहेलियां भी लिखी जाती हैं।

बच्चों ने खेल दिवस पर विभिन्न खेल चम्मच दौड़, बोरी दौड़, कुर्सी दौड़, मटका दौड़, जलेबी दौड़ व मेंढक दौड़ का भी आयोजन किया। पत्रिका के समन्वयक कनिष्ठ अध्यापक युद्धवीर ने बताया कि पत्रिका का उद्देश्य बच्चों अभिव्यक्ति का अवसर देना और साहित्य में रुचि उत्पन्न करना है। पत्रिका का प्रकाशन आगे भी यूं ही जारी रहेगा। इस प्रकार की गतिविधि से बच्चों का सर्वांगीण विकास होता है और उन्हें शिक्षा के हटकर नया सीखने को मिलता है।

अनोगा स्कूल में बाल पत्रिका 'नन्हे उस्ताद' का विमोचन

अनोगा स्कूल में नन्हे उस्ताद पत्रिका का विमोचन करते मुख्यातिथि ● जागरण

संवाद सूत्र, तेलका : शिक्षा खंड सुंडला की राजकीय प्राथमिक पाठशाला अनोगा की मासिक हिंदी बाल समाचार पत्रिका नन्हे उस्ताद के सातवें अंक का सफल विमोचन पर्यावरण दिवस पर किया गया। वह विमोचन मुख्य अतिथि शाखा प्रबंधक हिमाचल प्रदेश ग्रामीण बैंक तेलका अभिनव श्रीवास्तव के हाथों हुआ। अध्यापक युद्धवीर टंडन ने बताया कि इससे पहले पत्रिका के छह मासिक व एक वार्षिक अंक प्रकाशित भूमिका निभाते हैं। बच्चों की स्वरचित कविताओं व कहानियों के साथ-साथ इसमें संकलित सामग्री पहेलियों व चुटकुलों का भी समावेश रहता है। पत्रिका के वर्तमान अंक में पांचवीं कक्षा के छात्र नितिन राणा की कविता जल और कल, द्वितीय कक्षा की छात्रा श्रुति राणा की कविता क्या-क्या करते काम के अतिरिक्त बाल अतिथि लेख में जिला कांगड़ा की जवाली तहसील के बाल कवि हिरण्य मोदगिल की

आयोजन अनोगा स्कूल में बैग फ्री-डे पर बच्चों के लिए किया कार्यक्रम

बच्चों ने कलाम व डॉ. रितिका को किया याद

संवाद सूत्र, तेलका : शिक्षा खंड सुंडला के तहत राजकीय प्राथमिक पाठशाला अनोगा में शनिवार को बैग फ्री-डे के अवसर पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को दो भागों में बांटा गया। इसमें मध्याह्न से सभी बच्चों ने अध्यापकों संग पाठशाला के साथ लगते अनोगा गांव में जाकर स्थानीय लोगों के साथ स्वच्छता व स्वास्थ्य संबंधी विचार रखे। लोगों को शौचालय के इस्तेमाल पर बल देने की बात भी कही। अध्यापकों ने कहा कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र उंडी में कार्यरत स्वर्गीय डॉ. रीतिका भरद्वाज पाठशाला में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आई थीं। उन्होंने बच्चों संग अपने विचार प्रकट किए थे और कहा था कि लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के लिए वह कभी विद्यार्थियों व

अनोगा स्कूल के बच्चे बैग फ्री डे के मौके पर स्टाफ के साथ ● जागरण

अनोगा ने उनकी यह इच्छा पूरी कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

पक्षी मानव डॉ. सलीम अली के जीवन पर आधारित डाक्युमेंटरी देखी। अंत बढ़ने की शपथ ली। इस अवसर पर पाठशाला प्रभारी कंचन सिंह ने बच्चों

बच्चों ने पेड़ों को राखी बांधकर मनाया रक्षाबंधन का त्योहार

अमर उजाला ब्यूरो

तेलका (चंबा)। शिक्षा खंड सुंडला के अंतर्गत राजकीय प्राथमिक पाठशाला अनोगा में शनिवार को बच्चे बिना बैग के स्कूल पहुंचे। इस अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बच्चों में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया।

अध्यापकों और बच्चों ने पाठशाला परिसर में पौधों की गुड़ाई की। बच्चों ने पेड़ों को राखी बांधकर रक्षा बंधन मनाया। बच्चों ने पेड़ों की रक्षा करने का वचन दिया। इसके बाद बच्चों को योग करवाया गया।

पहल युवा शिक्षक युद्धवीर आधुनिक तरीके से मुहैया करवा रहे शिक्षा

स्कूल की गतिविधियों पर सबकी नजरें

सोमी प्रकाश भुल्लेटा। चंबा

जिले का एक सरकारी स्कूल इन दिनों काफी चर्चा में है। चर्चा भी ऐसी है कि इस स्कूल की हर गतिविधियों पर अब सबकी नजर है, क्योंकि यहां पर लीक से हटकर काम हो रहा है। आधुनिक तरीके से पढ़ाई का माहौल ऐसा है कि अन्य स्कूल भी इस सरकारी स्कूल की गतिविधियों को फॉलो करने लगे हैं। सबसे बड़ी बात तो यह है कि स्कूल में बच्चे पढ़ाई को बोझ समझने की बजाय खेल-खेल में बहुत कुछ सीख रहे हैं। स्कूल न जाने की जिद्द करने वाले बच्चे अब स्कूल कभी भी मिस नहीं करते। यहां जिक्र शिक्षा खंड सुंडला के प्राइमरी स्कूल अनोगा का हो रहा है। स्कूल में कार्यरत मौड़ा पंचायत के तेलका निवासी युवा शिक्षक युद्धवीर टंडन ने स्कूल में जान डाल दी है। पांगी कॉलेज के प्रिंसिपल बिपिन चंद गठौर और डाइट सरू के प्रिंसिपल सुमन मिन्हास को अपना आदर्श मानने वाले युद्धवीर टंडन स्कूल में पढ़ाने का अपना अलग तरीका है। स्कूल के बच्चों को हर तरह से प्रेरित करना और उनका मनोबल बढ़ाना इस युवा शिक्षक की बड़ी क्वालिटी है। अकसर बच्चे स्कूल जाते वक्त मायूस हो जाते है, पर अनोगा एक ऐसा स्कूल है, जहां पर बच्चे आते तो खुशी-खुशी है, पर जब छुट्टी होती है, तो वह मायूस हो जाते हैं, क्योंकि स्कूल के खुशनुमा माहौल में बच्चों का संपूर्ण विकास हो रहा है। बच्चों की हिंदी और अंग्रेजी को प्राइमरी स्तर से ही परिपक्व करने के युद्धवीर टंडन के प्रयास सराहनीय है। इस युवा शिक्षक ने अपने स्तर पर बहुत सारी चीजें स्कूल में शुरू कर रखी है। अपनी तनख्वाह का एक प्रतिशत हिस्सा स्कूल की गतिविधियों पर खर्च करते हैं। सूबे का यह पहला स्कूल है, जहां पर अपनी पत्रिका छपती है। नन्हें उस्ताद नाम से प्रकाशित होने वाली इस पत्रिका के अब तक छह अंक प्रकाशित हो चुके हैं। युद्धवीर टंडन ने स्कूली बच्चों को प्रत्साहित करने के लिए अपने स्वर्गवासी पिता देवीया राम टंडन की याद में डीआरटी अवार्ड आफ एक्सीलेंस स्टूडेंट शुरू कर रखा है। इसके तहत हर साल सात बच्चों को पुरस्कार देकर भविष्य में और भी अच्छा करने को प्रोत्साहित किया जाता है।

खुशनुमा माहौल में बच्चों का हो रहा संपूर्ण विकास

चंबा। बच्चों को शिक्षा के गुर देते शिक्षक युद्धवीर।

वर्ष 2019-2020 के लिए सम्भावित दिनदर्शिका

क्र. सं.	अवसर/उपलक्ष्य	दिनांक व अवधि	स्पर्धाएं एवं कार्यक्रम
1.	नये स्त्र का आरम्भ	फरबरी 13 से	विद्यार्थियों के लिए स्वागत समारोह पहली आने वाली बाल सभा के दिन
2.	प्रवेश प्रक्रिया	फरबरी माह	बच्चों का पाठशाला में प्रवेश
3.	प्रतिभा खोज एवं स्वागत कार्यक्रम	सत्र की दूसरी बाल सभा	बच्चों के लिए विशेष बाल सभा
4.	राष्ट्रीय विज्ञान दिवस	28 फरबरी	प्रश्नोत्तरी, चित्रकला, व भारत के वैज्ञानिक विषय पर PPT प्रेजेंटेशन
5.	विश्व जल दिवस	22 मार्च	चर्चा व स्थानीय जल स्त्रोत सफाई कार्यक्रम
6.	FA 1	मार्च माह अंतिम सप्ताह	इकाई परीक्षा
7.	विश्व स्वास्थ्य दिवस	7 अप्रैल	स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र का भ्रमण|
8.	हिमाचल दिवस	15 अप्रैल	हिमाचली संस्कृति पर PPT प्रेजेंटेशन, व हिमाचली संस्कृति पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम
9.	FA 2	मई माह अंतिम सप्ताह	इकाई परीक्षा
10.	विश्व पर्यावरण दिवस	5 जून	वृक्षारोहण व स्वच्छता कार्यक्रम|
11.	SA 1	जून माह का अंतिम सप्ताह	योगात्मक परीक्षा
12.	मानसून अन्तराल	21 जुलाई से 26 तक	6 दिन का अवकाश
13.	#स्वतन्त्रता दिवस	15 अगस्त	सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता
14.	FA 3	अगस्त माह अंतिम सप्ताह	इकाई परीक्षा
15.	राष्ट्रीय खेल दिवस	29 अगस्त	वार्षिक खेल-कूद प्रतियोगिता
16.	शिक्षक दिवस	5 सितम्बर	बच्चों द्वारा विभिन्न प्रस्तुतीयां
17	हिन्दी दिवस	14 सितम्बर	भाषण, प्रश्नोत्तरी
18	गाँधी जयंती/लाल बहादुर जयन्ती	2 अक्तूबर	प्रातः कालीन सभा में पुष्पांजलि कार्यक्रम व सामुदायिक स्वच्छता कार्यक्रम
19	वन्य प्राणी सप्ताह	अक्टूबर प्रथम सप्ताह	वन्य प्राणी संरक्षण पर PPT प्रेजेंटेशन व अंतर स्कुलीय प्रश्नोत्तरी|
20	FA 4	अक्तूबर तृतीय सप्ताह	इकाई परीक्षा
21	उत्सव अन्तराल	17 से 22 अक्तूबर	त्योहारों के चलते 6 दिन का अवकाश
22	बाल दिवस	14 नवम्बर	बच्चों के लिए विशेष भोज व मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन|
23	सत्रांत परीक्षाएं SA 2	दिसम्बर माह द्वितीय सप्ताह	इकाई परीक्षा
24	राष्ट्रीय गणित दिवस	22 दिसम्बर	प्रश्नोत्तरी व अन्य गणितीय गतिविधियों का आयोजन|
25	वार्षिक शैक्षणिक भ्रमण	दिसम्बर माह	एक दिवसीय शैक्षिणिक भ्रमण
26	वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह 2017	दिसम्बर माह	पारितोषिक वितरण व अन्य गतिविधियाँ
27	वार्षिक परिणाम	31 दिसम्बर	वार्षिक परीक्षा परिणाम
28	सर्दियों की छुटियाँ	1 जनवरी से मध्य फरवरी तक	40 दिनों का सर्दियों का अवकाश

स्कूल अनोगा
गुणात्मक शिक्षा का एक पर्याय

राजकीय प्राथमिक पाठशाला
अनोगा
शिक्षा खण्ड सुंडला
तहसील सलूणी

मोब. नं. 78072-23683
Face book Page
https://www.facebook.com/GPSanoga/
yudhveertandon24@gmail.com

बच्चे को भेजो स्कूल अनोगा
जहाँ उसका सम्पूर्ण विकास होगा।

पत्रिका के बारे में

'नन्हें उस्ताद' का यह एक नया रूप है| जैसा की आप जानते हैं की इस पत्रिका की शुरुआत एक मासिक हिन्दी बाल समाचार पत्रिका के रूप में हुई की गयी थी| जिसमें माह भर की पाठशाला की सारी गतिविधियाँ और बच्चों की रचनाएँ शामिल रहती थीं| आपके सब पाठकों ने हमारे उस प्रयास को बहुत प्यार दिया| अतः हमने आपके प्यार से प्रोत्साहित होकर अब इस पत्रिका के पहले वार्षिक अंक को प्रकाशित करने का भी निर्णय लिया है| आशा है की यह छोटा सा प्रयास भी बच्चों के विकास में सहायक होगा| इस अंक में नियमित मासिक अंक के अतिरिक्त भी और बहुत कुछ शामिल किया गया है| पाठशाला का वार्षिक प्रतिवेदन, आगामी वर्ष हेतु गतिविधियों की दिनदर्शिका, बच्चों की रचनाएँ और अन्य अतिथि रचनाएँ भी इसमें शामिल हैं|

समन्वयक की कलम से

जब इस पत्रिका का प्रकाशन आरम्भ किया था तो यह बिल्कुल भी नहीं सोचा था कि इसे आपका इस कदर स्नेह मिलेगा| आप सभी ने अपनी प्रतिक्रियाओं एवं सकारात्मक टिप्पणियों से आज इस पत्रिका को बेहद लोकप्रिय बना दिया है| मुझे गर्व है कि इस बार हमें बहुत से बधाई संदेश मिले| इन सभी से हमारा उत्साह दुगुना हुआ है| हमारे बच्चों ने जो रचनाएँ इस पत्रिका में लिखी हैं आशा है वो आपके मन को छुएंगी| इसके अतिरिक्त इस अंक में कुछ नवोदित रचनाकरों की नवेली रचनाएँ शामिल हैं तो वहीं कुछ वरिष्ठ रचनाकारों की मंझी हुई रचनाएँ भी शामिल हैं| अतः ऐसी मेरी आशा है कि आप इस पत्रिका को अपनी आशाओं के अनुरूप ही पाएंगे| पत्रिका में वर्ष भर में विद्यालय में हुई सभी घटनाओं का जिक्र संक्षेप में करने का प्रयास किया है| जिससे यह पत्रिका आपको पाठशाला का वर्ष भर का एक प्रतिबिम्ब भी दर्शाएगी| पत्रिका में बच्चों की कुछ संकलित सामग्री का भी समावेश है यह भी आपका मनोरंजन करने में सहायक होगी| तस्वीरों के माध्यम से वर्ष भर की प्रमुख झलकियों को भी दिखाया गया है| समाचार पत्र किसी भी समाज का आइना होते हैं| अतः अनोगा स्कूल को समाचार पत्रों में जो भी स्थान मिला है उसे भी इस पत्रिका में दर्शाने का प्रयास किया है| लेकिन फिर भी गलतियाँ सुधार की पहली सीढ़ी होती हैं जिसे हम विनम्रता से स्वीकार करते हैं आप के हर सकारात्मक सुझाव का तहे दिल से स्वागत है| आपके यह सुझाव हमारी पत्रिका की जान है जिसे आप सदैव जीवंत बनाये रखें|

युद्धवीर
जे. बी. टी. रा. प्रा. पा. अनोगा

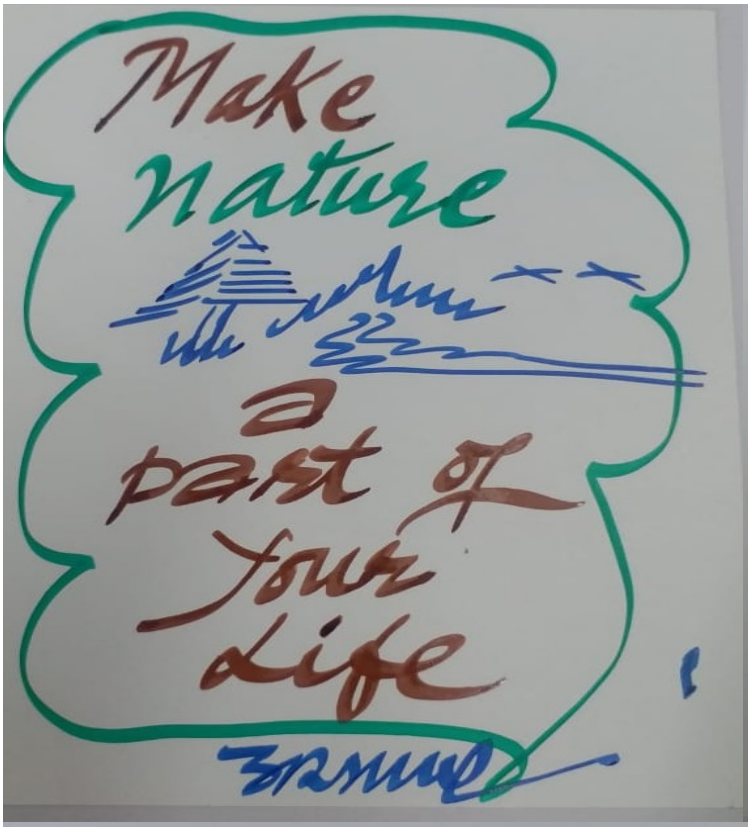
Make
nature
a
part of
your
Life

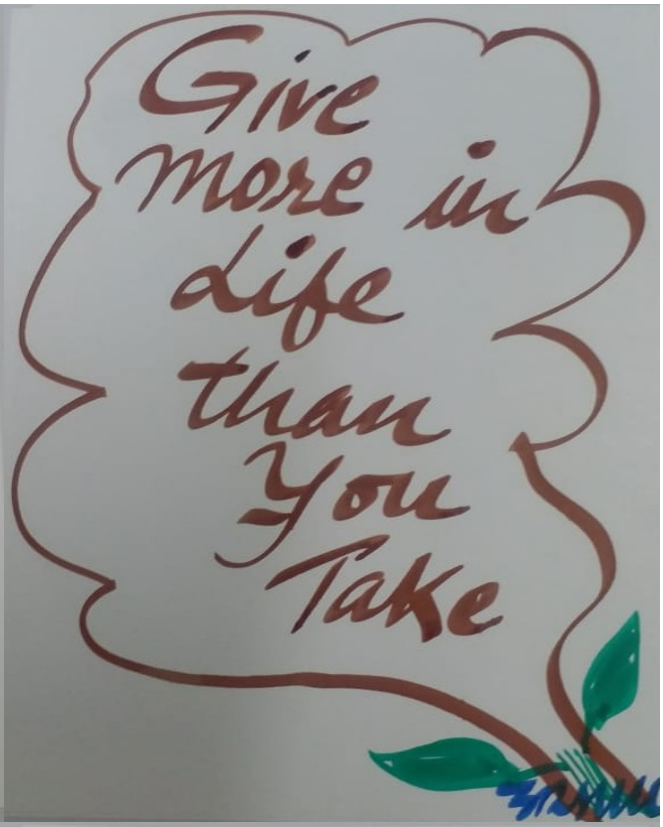
Give
more in
Life
than
you
Take

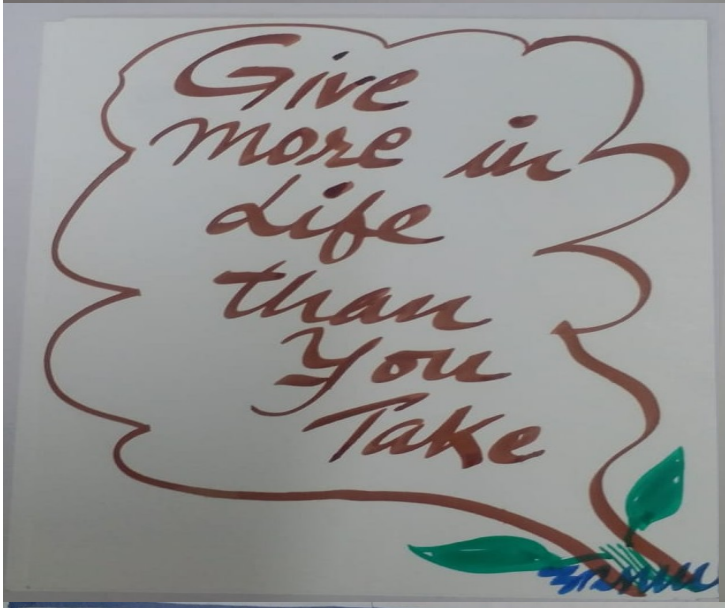
Give
more in
Life
than
you
Take

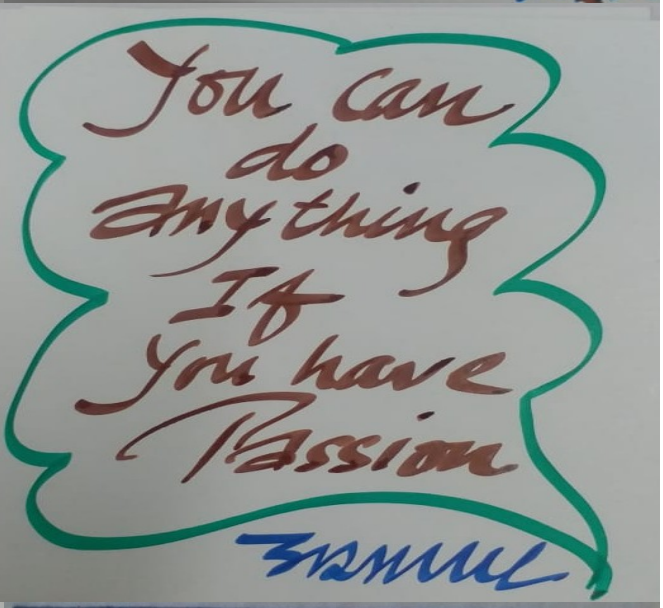
You can
do
anything
If
you have
Passion

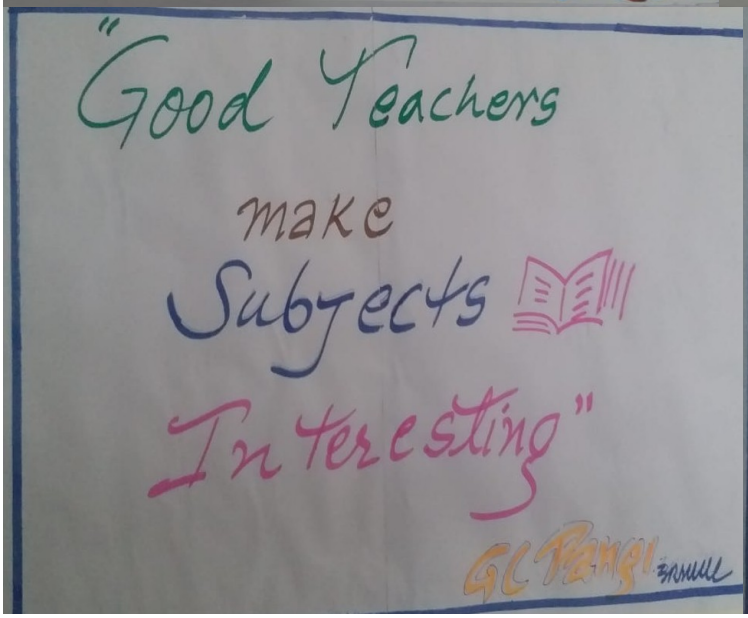
"Good Teachers
make
Subjects
Interesting"

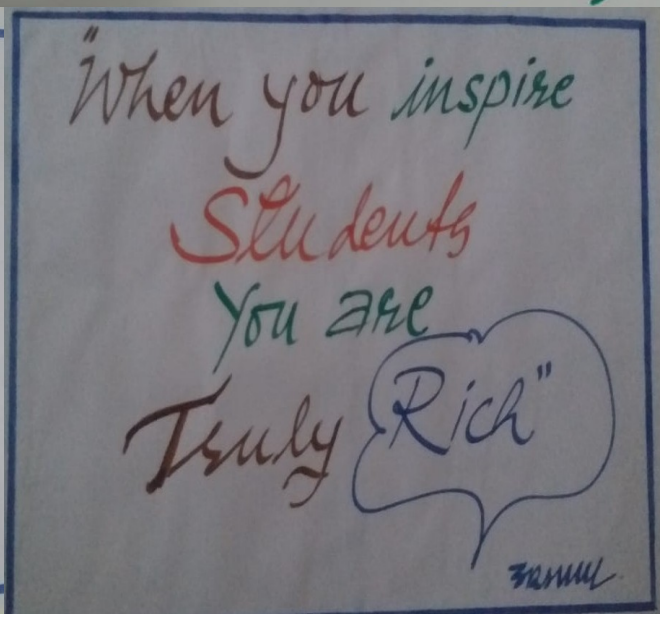
"When you inspire
Students
you are
Truly Rich"